RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:135 ता. 20 नवम्बर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

102 यात्रियों को लेकर रनवे पर दौड़ रहे प्लेन की ट्रक से हो गई टक्कर, कैमरे में कैद हुआ भयानक मंजर

नई दिल्ली। पेरू के जॉर्ज चावेज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के रनवे पर उड़ान भरते वक्त स्ट्रूरूएयरलाइंस का एक विमान दमकल की गाड़ी से टकरा गया। इस दर्दनाक हादसे में दो दमकलकर्मियों की मौत हो गई। हालांकि इस हादसे के बीच राहत की बात यह है कि विमान में सवार 102 यात्रियों और 6 क्रू मेंबर्स (पायलट समेत) सुरक्षित हैं। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना शुक्रवार शाम की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पेरू के जॉर्ज चावेज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ। स्ट्रूरू एयरलाइन्स का एक विमान 102 यात्रियों और चालक दल के 6 सदस्यों को लेकर उड़ान भरने के लिए रनवे पर दौड़ रहा था। इसी दौरान विमान के सामने एक ट्रक आ गया। टकराने के बाद ट्रक में आग लग गई और ट्रक में सवार दो दमकलकर्मियों की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के मुताबिक, यह दुर्घटना तब हुई जब रनवे पर जेटलाइनर एक वाहन से टकरा गया। हवाई अड्डे ने घटना के बाद रनवे पर कुछ देर के लिए सभी फ्लाइट्स के टेक ऑफ रोक दिये। साथ ही घटना की जांच के आदेश जारी कर दिये गए हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से, 29 दिसंबर तक चलेगा, 23 दिन में 17 बैठकें होंगी

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होगा, जो 29 दिसंबर तक चलेगा। इसकी जानकारी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को ट्वीट कर दी। उन्होंने कहा कि आगामी शीतकालीन सत्र कुल 23 दिन का होगा, जिसमें 17 बैठकें होंगी। अमृत काल के बीच सत्र के दौरान विधायी कार्य और अन्य मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खास तौर पर यह पहला सत्र होगा, जिसके दौरान वाइस प्रेसिडेंट जगदीप धनखड़, जो राज्यसभा के चेयरमैन हैं, सदन में कार्यवाही करेंगे। सत्र ऐसे समय में शुरू होगा जब गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनावी लहर रहेगी।

शीतकालीन सत्र में क्या उम्मीद

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक जहां सरकार संसद के आगामी सत्र के दौरान कई विधेयकों को पारित करने की योजना बना रही है, वहीं विपक्ष जरूरी मामलों पर चर्चा की मांग कर सकता है। सत्र के पहले दिन सदस्यों के दिवंगत सदस्यों को सम्मान देने की संभावना है। मौजूदा सदस्यों के निधन को मद्देनजर रखते हुए आगामी सत्र का पहला दिन स्थगित होने की संभावना है।

बिना किसी कोरोना प्रोटोकॉल के सत्र आयोजित

कोरोना की स्थिति को देखते हुए और क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय के अधिकांश सदस्यों और कर्मचारियों का वैक्सीनेशन हो चुका है, इसलिए बिना किसी प्रतिबंध के सत्र आयोजित होने की संभावना है।

हालांकि, पिछले दो सालों में कोविड की वजह से संसद सत्र पर असर पड़ा था।

राहुल गांधी नहीं होंगे सत्र में शामिल

जयराम रमेश ने कहा है कि इस संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल नहीं हो पाएंगे, क्योंकि उस समय वह भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त होंगे। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी यात्रा को बीच में छोड़कर कहीं नहीं जाना चाहते। यही वजह है कि राहुल गांधी हिमाचल विधानसभा चुनाव के लिए रैली करने नहीं गए। हालांकि, कांग्रेस ने राहुल और सोनिया गांधी समेत 40 बड़े नेताओं का नाम स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया था।

18 जुलाई से 8 अगस्त तक चला था मानसून सत्र

मानसून सत्र की बात करें तो ये 18 जुलाई को शुरू हुआ था और 8 अगस्त को स्थगित हो गया था। 22 दिनों की अवधि में 16 सत्र हुए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खास तौर पर यह पहला सत्र होगा, जिसके दौरान वाइस प्रेसिडेंट जगदीप धनखड़, जो राज्यसभा के चेयरमैन हैं, सदन में कार्यवाही करेंगे।

वैष्णो देवी यात्रा ट्रैक पर श्रद्धालुओं को मिलेंगे मनपसंद खाद्य पदार्थ

कटड़ा। श्री माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा से भवन तक देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को मनपंसद खाद्य पदार्थ मिलेंगे। पारंपरिक यात्रा ट्रैक के अलावा ताराकोटा मार्ग पर भी व्यवस्था की गई है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सी.ई.ओ. अंशुल गर्ग ने शुक्रवार को ऐसे ही एक भारतीय मिष्ठान एवं खाद्य पदार्थ के आऊटलेट का उद्घाटन किया। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर व्हाट्सएप करें ताराकोटा मार्ग पर पहले देशी-विदेशी नामी फूड चेन के आऊटलेट खोले गए हैं और अब इसमें एक और नामी मिष्ठान एवं खाद्य पदार्थ निर्माता ने अपना ताराकोटा मार्ग पर आऊटलैट खोला है। यह दो आऊटलैट चरणपादुका और अर्द्धकुंवारी में खोले गए हैं जहां श्रद्धालु अपने मनपसंद व्यंजन का स्वाद ले सकेंगे। इन खाद्य संस्थान पर श्रद्धालुओं को सात्विक खाद्य सामग्री परोसी जाएगी, जिसमें प्याज एवं लहसुन का इस्तेमाल नहीं होगा।

सी.ई.ओ. अंशुल गर्ग ने बताया कि बोर्ड के चेयरमैन उपराज्यपाल के निर्देश एवं श्रद्धालुओं की मांग पर यह खाद्य भंडार खोले गए हैं। यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं ने बोर्ड के प्रयासों की सराहना की है। इस अवसर पर अतिरिक्त सी.ई.ओ नवनीत सिंह, डॉ. जगदीश चंद्र मेहरा, चंद्र प्रकाश, विश्वजीत सिंह, महेश शर्मा, अजय सल्हन, सुरेश गोयल एवं राकेश वजीर मौजूद थे।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जंयती पर श्रद्धांजलि दी। बता दें कि राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बुलढाना से भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत कर दी है।

भारत जोड़ो यात्रा में चलेंगी केवल महिलाएं

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आज 105वीं जयंती है। इस अवसर पर महिला शक्ति को दर्शाने के लिए 19 नवंबर को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में केवल महिलाएं चलेंगी। इस पहल में महिला सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी शामिल होंगी।

कांग्रेस से जुड़ी महिला कार्यकर्ता भी होंगी शामिल

भारत जोड़ो यात्रा के संयोजक जयराम रमेश ने बताया कि 19 नवंबर को यात्रा के

दोनों सत्रों में कांग्रेस और उससे जुड़ी शाखाओं की महिला कार्यकर्ता शामिल होंगी। इस यात्रा में महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों से भी कांग्रेस पार्टी की महिला जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगी। बताते चले की भारत जोड़ो यात्रा ने महाराष्ट्र से गुजरते हुए नांदेड़, हिंगोली और वाशिम जिलों को कवर कर लिया है। यात्रा अब अकोला और बुलढाणा जिलों से गुजर रही है। बता दें कि 20 नवंबर को भारत जोड़ो यात्रा मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी।

राहुल गांधी को मिली धमकी

राहुल गांधी को इंदौर में बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। धमकी भरा पत्र जूनी इंदौर थाना क्षेत्र की एक मिठाई की दुकान पर मिला। फिलहाल पुलिस पास में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चिट्ठी छोड़ने वाले शख्स की तलाश कर रही है। बता दें कि इस पत्र में राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के तहत इंदौर में स्थित खालसा कालेज में रुकने पर बम से उड़ाये जाने की धमकी दी गई थी। गौरतलब है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 24 अक्टूबर से मध्य प्रदेश से शुरू हुई थी। पुलिस इस मामले में सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

राष्ट्र के लिए लक्ष्मीबाई के महत्वपूर्ण योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंग्रेजों की सेना के खिलाफ भीषण लड़ाई लड़ने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को शनिवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके साहस एवं राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता।

मोदी ने ट्वीट किया, रानी लक्ष्मीबाई को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। हमारे देश के लिए उनके साहस और महत्वपूर्ण योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। वह औपनिवेशिक शासन के अपने दृढ़ विरोध के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मोदी ने लक्ष्मीबाई की जयंती मनाने के लिए पिछले साल इसी दिन किए झांसी के अपने दौरे की तस्वीरें भी साझा कीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंग्रेजों की सेना के खिलाफ भीषण लड़ाई लड़ने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को शनिवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके साहस एवं राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता।

लक्ष्मीबाई औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत के 1857 स्वतंत्रता संग्राम की एक महत्वपूर्ण शख्सियत हैं जिन्होंने झांसी पर कब्जा करने का प्रयास कर रही ब्रिटिश सेना से बहादुरी से लड़ते हुए अपने प्राण का बलिदान कर दिया था।

अंगुली टेढ़ी भी कर सकता हूं; एलजी से मिल रहे झटकों के बीच केजरीवाल ने दिखाए तेवर

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को लेकर बड़ी बात कही है। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक ने एक टीवी इंटरव्यू में एलजी को लेकर पूछा गए सवाल के जवाब में कहा है कि उन्हें अंगुली टेढ़ी भी करना आता है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार के कामकाज को रोकने की पूरी कोशिश की गई है फिर भी उनकी सरकार ने काम करके दिखाया है। केजरीवाल ने एलजी को लेकर यह बातें ऐसे समय पर कहीं जब उनके करीबी और पार्टी नेता जैस्मीन शाह के डीडीसीडी के उपाध्यक्ष के रूप में काम करने पर रोक लगा दी गई है। केजरीवाल से सवाल किया गया कि

एमसीडी में एलजी की भूमिका और ज्यादा होगी ऐसा आपके एक प्रवक्ता ने कहा है, यदि जीत भी गए तो कैसे काम करेंगे? केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के दो करोड़ लोग जब तक साथ हैं किसी एलजी की हिम्मत नहीं जो दिल्ली के विकास को रोक सके। जनता के अंदर बहुत बड़ी ताकत होती है। जब हमारा अन्ना आंदोलन हुआ था, जनता की आवाज ने देश की बड़ी से बड़ी सरकारों को हिला दिया था।

केजरीवाल ने आगे कहा, इन लोगों को गुरूर है, अपनी सत्ता का अहंकार है। इन्होंने योगा की क्लास रोकने की कोशिश की, दिल्ली के लोगों ने कहा कि केजरीवाल जी योगा कराओ पैसे हम देंगे। देखते हैं एलजी कैसे रोकता है। काम करने वालों की इज्जत है। काम करने वालों का जनता भी साथ देती है और भगवान भी साथ देते हैं। समाधान निकलते हैं। 5 साल में जो भी एलजी रहे काम रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसके बावजूद हमने काम करके दिखाया, आप सोचकर देखो पूरी सरकार होती तो आज दिल्ली कहां का कहां पहुंच चुका होता, लेकिन करेंगे। एलजी क्या कर लेगा दो महीने देर हो जाएगी, चार महीने देर हो जाएगी, उससे ज्यादा क्या कर लेगा। यदि सीधी अंगुली से घी नहीं निकली तो केजरीवाल को अंगुली टेढ़ी भी करनी आती है।

जम्मू-कश्मीर में पत्रकारों को धमकी देने के मामले में पुलिस का ऐक्शन, श्रीनगर-अनंतनाग समेत 10 जगहों पर तलाशी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पत्रकारों को धमकी देने के मामले में पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी शुरू की है। पुलिस टीम की ओर से श्रीनगर, अनंतनाग और कुलगाम में 10 जगहों पर तलाशी ली जा रही है। कश्मीर जोन पुलिस की ओर से खुद इस कार्रवाई की जानकारी दी गई है। छापेमारी को लेकर और अधिका जानकारी का फिलहाल इंतजार है। पत्रकारों को मिली धमकियों के पीछे तुर्की के आतंकवादी मुख्तार बाबा और जम्मू कश्मीर में उसके 6 सहयोगियों का हाथ होने का संदेह है। एक खुफिया दस्तावेज से यह जानकारी मिली। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की ओर से धमकी दिए जाने के बाद हाल में कई पत्रकारों ने स्थानीय अखबारों व पत्रिकाओं से इस्तीफा दे दिया।

धमकियों के पीछे आतंकवादी मुख्तार बाबा

खुफिया दस्तावेज के अनुसार, शुरुआती आकलन से पता चलता है कि धमकियों के पीछे आतंकवादी मुख्तार बाबा का हाथ है। मुख्तार बाबा (55) कश्मीर के विभिन्न अखबारों के लिए काम करता था। वह 1990

के दशक में श्रीनगर का निवासी था और माना जाता है कि वह तुर्की भाग गया था। अक्सर पाकिस्तान की यात्रा करने वाला बाबा घाटी में युवाओं को टीआरएफ में शामिल होने के लिए प्रेरित करने वाला मास्टरमाइंड है। बाबा के घाटी में अपने 6 सहयोगियों के संपर्क में होने का संदेह है और उनमें से 2 की पहचान कर ली गई है।

एडिटर्स गिल्ड ने इन धमकियों की निंदा की

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने धमकियों के बाद 5 मीडियाकर्मियों के अपने संस्थानों से इस्तीफा देने को लेकर गहरी चिंता जताई। गिल्ड ने बयान में कहा, कश्मीर में पत्रकार अब खुद को सरकारी प्राधिकारियों के साथ-साथ आतंकवादियों के निशाने पर पा रहे हैं, जो 1990 के दशक के उस दौर की वापसी है, जब आतंकवाद चरम पर था। आतंकवादी संगठनों ने एक बार फिर मीडिया संस्थानों का नाम लेकर चेतावनी दी है कि राइजिंग कश्मीर और ग्रेटर कश्मीर सहित जाने माने क्षेत्रीय अखबारों से जुड़े लोगों को देशद्रोही घोषित किया जाएगा और उनका समय अब पूरा हो गया है।

बिहार के नालंदा में निर्माणाधीन पुल का हिस्सा गिरा, एक श्रमिक की मौत एक घायल

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले में एक निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वेना थाना क्षेत्र के भागन बीघा इलाके में हुई इस घटना पर दुख जताया है। नीतीश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से वित्तीय सहायता प्रदान करने और घायल के लिए उचित चिकित्सा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नीतीश कुमार ने पटना में कहा हादसे से दुखी हूं। शोकसंतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदना। वेना थाने के प्रभारी मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा प्रारंभिक सूचना के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब निर्माणाधीन पुल की सामग्री को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जा रहा था। इस प्रक्रिया के दौरान, वहां काम कर रहे मजदूरों पर ढांचे का एक हिस्सा गिर गया। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरे को चोटें आईं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है।

कलाल सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश के दौरान विस्फोट में एक आतंकी ढेर, सेना ने शुरू किया सर्च अभियान

जम्मू। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले के नौशहरा के कलाल सेक्टर में सेना ने सीमा पार पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ का प्रयास विफल कर दिया। इस दौरान एक आतंकी ढेर हो गया। इस घटना के बाद सेना की ओर से सीमा के समीप तलाशी अभियान शुरू किया गया है। बताया जाता है कि शनिवार सुबह कलाल सेक्टर में सीमा पार पाकिस्तान की ओर से आतंकियों का एक समूह भारतीय सीमा में घुसपैठ की फिराक में था। एलओसी पर तैनात भारतीय सेना के जवानों ने जब सीमा पर हलचल देखी तो वे सतर्क हो गए। आतंकियों ने जैसे ही भारतीय सीमा में प्रवेश किया तो सेना के जवानों ने आतंकियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। आतंकी पाकिस्तान सीमा की ओर भागने लगे। इसी दौरान अचानक एक धमाका हुआ और एक आतंकी वहीं पर ढेर हो गया, जबकि अन्य आतंकी एलओसी पर इधर-उधर भाग खड़े हुए। इसके बाद सेना ने एलओसी के आसपास तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि आतंकी अपने साथ हथियार और गोला बारूद लेकर घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे थे। जैसे ही भारतीय सेना के जवानों ने उन्हें ललकारा तो वे पाक सीमा की ओर भागने लगे इसी दौरान उनमें से एक सीमा पर बिछाई गई माइन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। एक अन्य चर्चा के अनुसार पाक घुसपैठिए अपने साथ बड़ी मात्रा में आईईडी लेकर आ रहे थे। इसी दौरान आईईडी में अचानक विस्फोट हो गया, जिसमें आतंकी मारा गया। फिलहाल, सैन्य प्रवक्ता की ओर से अब तक इस संबंध में कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। अब पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी शुरू हो चुकी है। पाकिस्तान पहाड़ी क्षेत्र में अत्यधिक बर्फबारी से पहले-पहले आतंकियों की घुसपैठ करवाने की फिराक में है। हालांकि भारतीय सेना के जवान पहले से ही सीमा पर सतर्क हैं और वे पाकिस्तान की हर नापाक साजिश को नाकाम करने में जुटे हैं।

टेरर फंडिंग मामले में पंजाब विवि का छात्र गिरफ्तार, आईएसआई भेज रही थी पैसा अकाउंट डिटेल से हुआ खुलासा

मोहाली। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के एक छात्र को टेरर फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी युवक पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में एमए का छात्र है। आरोपी की पहचान अर्शदीप के तौर पर हुई है जो मूल रूप से पंजाब के भवानीगढ़ जिला संगरूर का रहने वाला है। आरोपी को स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल (एसएसओसी) ने गिरफ्तार किया है। एसएसओसी टीम ने आरोपी युवक को सीक्रेट इंफार्मेशन पर चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी अर्शदीप विदेश में बैठे लखबीर सिंह लंडा और लारेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य गोल्डी बरार का साथी है। इसके अलावा विदेश में बैठे आइएसआइ के गुर्गे अर्शदीप के बैंक खाते में रुपये भेज रहे थे। आरोपित की गिरफ्तारी उसके बैंक अकाउंट डिटेल के आधार पर की गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। आरोपी को दुबई, अमेरिका, फिलीपींस, इटली और मलेशिया में रह रहे पंजाब के मूल निवासी आइएसआइ के लिए फंडिंग और हथियारों की सप्लाई करने का काम करने वाले स्लीपर सेल के जरिए टेरर फंडिंग की जा रही थी। एसएसओसी इसके बैंक खातों की जांच करेगी। यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि अब तक कितनी फंडिंग इसके अकाउंट में हुई है। उस फंडिंग को इसने कहां इस्तेमाल किया है। यह भी पता चला है कि ये काफी लंबे समय से गोल्डी बरार व लखबीर लंडा के संपर्क में था। लखबीर लंडा मोहाली में पंजाब खुफिया विभाग के दफ्तर पर आरपीजी फायर करवाने का मुख्य आरोपी है। वहीं, गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई के साथी गोल्डी बरार कनाडा में बैठा हुआ है, जो वहीं से पंजाब में अपनी गैंग चला रहा है। गोल्डी बरार पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्याकांड में भी शामिल है। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद गोल्डी बराड़ ने सोशल मीडिया पर हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी और इसे विक्की मिड्डूखेड़ा की हत्या का बदला बताया था।

राहुल गांधी की भारत छोड़ो यात्रा में हिस्सा लेंगे प्रतिभा सिंह और विक्रमादित्य सिंह

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनके बेटे और विधायक विक्रमादित्य सिंह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे। जल्द ही विक्रमादित्य सिंह राहुल गांधी के साथ यात्रा करते नजर आएंगे। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि चुनाव की व्यस्तता के चलते वह शामिल नहीं हो पाए, लेकिन अब जल्द ही यात्रा से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ रहे हैं और मोहब्बत का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पूरे देशभर से समर्थन मिल रहा है और वह यात्रा में शामिल होकर संदेश देंगे कि हिमाचल भी उनके साथ खड़ा है। विक्रमादित्य सिंह ने भाजपा शासित सरकारों की तुलना हिटलर के शासन से की। शिमला ग्रामीण से कांग्रेस विधायक विक्रमादित्य सिंह ने सीएम जय राम ठाकुर को कांग्रेस में शामिल होने का ऑफर दिया है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि 8 दिसंबर के बाद भाजपा का एक गुट उन पर हावी हो जाएगा। ऐसे में उन्हें कांग्रेस में शामिल होना चाहिए। इससे पहले सीएम जयराम ठाकुर ने भी प्रतिभा सिंह को भाजपा में शामिल होने का ऑफर दिया था। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि अब और कोई चारा सीएम जयराम ठाकुर के पास नहीं बचेगा। उन्होंने कहा पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह कहा करते थे कि जयराम ठाकुर अच्छे व्यक्ति हैं, लेकिन गलत पार्टी में हैं। विक्रमादित्य सिंह ने सीएम जयराम ठाकुर को कमजोर प्रशासक करार दिया और कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस भारी बहुमत से जीतेगी। बता दें कि हिमाचल में 12 नवंबर को विधानसभा के लिए वोट डाले गए हैं। 8 दिसंबर को गुजरात के साथ चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

7 दिसंबर से शुरू होगा शीतकालीन सत्र, पुरानी संसद से ही होगा संचालन

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होगा। सूत्रों ने बताया कि संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होकर 29 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 17 बैठकें होंगी। बता दें कि नई संसद भवन का कुछ काम अभी बाकी रह गया है, इस वजह से संसद का शीतकालीन सत्र पुराने संसद भवन में ही आयोजित किया जाएगा। आमतौर पर नवंबर माह के मध्य या अंत में शीतकालीन सत्र की शुरूआत होती है, लेकिन गुजरात विधानसभा चुनाव और दिल्ली में नगर निगम के चुनाव के कारण इस बार संसद का संसद सत्र करीब 1 हफ्ते की देरी से शुरू होगा। शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार कई अहम बिल पेश कर सकती है। इसमें सूचना एवं प्रौद्योगिकी संसोधन विधेयक 2020 को संशोधित करके आईटी विधेयक 2022 पेश किया जा सकता है। इसके अलावा कई और अहम बिल सरकार पेश कर सकती है। नए संसद भवन में अभी काम कुछ काम बाकी है। सूत्रों के मुताबिक, अगले साल जनवरी के अंत में आयोजित होने वाला बजट सत्र नए संसद भवन से शुरू हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2020 में नए संसद भवन की नींव रखी थी। इसके निर्माण के लिए 2 साल का समय रखा गया था। इसकी लागत 900 करोड़ रुपए रखी गई थी, लेकिन संसोधित लागत करीब 1200 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

लोकतंत्र, मानवाधिकार, आर्थिक प्रगति और विश्व शांति के खिलाफ सबसे बड़ा नासूर है आतंकवाद: अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण पर तीसरे 'नो मनी फॉर टेरर' मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के समापन सत्र पर कहा कि आतंकवाद ने आज एक ऐसा विकराल रूप धारण किया है, जिसका प्रभाव हर स्तर पर हमें दिखाई पड़ता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोकतंत्र, मानव अधिकार, आर्थिक प्रगति और विश्व शांति के खिलाफ आतंकवाद सबसे बड़ा नासूर है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इसे हमें जीतने नहीं देना है। गृह मंत्री ने कहा कि हम आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एक प्रभावी दीर्घकालिक और ठोस लड़ाई के बिना, भयमुक्त समाज और भयमुक्त दुनिया का अस्तित्व सोच ही नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में, भारत सरकार ने सामाजिक गतिविधियों की आड़ में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें आतंक की ओर धकेलने की साजिश रचने वाले एक संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मेरा मानना है कि हर देश को ऐसे संस्थानों की पहचान करनी चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

अमित शाह ने कहा कि हमें आतंकवाद और आतंकी गुटों के खिलाफ भौगोलिक क्षेत्र और वर्चुअल में लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां कुछ संगठन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। ये संगठन आतंकवाद का वित्त पोषण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी हाल में ही सामाजिक गतिविधि की आड़ में युवाओं को कट्टरपंथ बनाकर और उन्हें आतंक की तरफ धकेलने की साजिश करने वाली एक संस्था को बैन किया है। शाह ने कहा कि मेरा मानना है कि हर देश को ऐसी संस्था को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। इससे पहले भी उन्होंने आतंकवाद के वित्त पोषण को आतंकवाद से बड़ा खतरा बताते हुए शुक्रवार को कहा था कि इसे किसी धर्म, राष्ट्रीयता या समूह से नहीं जोड़ा जा सकता है और ना ही जोड़ा जाना चाहिए।

वहीं, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने भी आज 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन को संबोधित किया। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर सत्र में बात की। हाल के वर्षों में आतंकवादी खतरे के बढ़ते दायरे, पैमाने और तीव्रता के कारणों पर प्रकाश डाला गया। जयशंकर ने कहा कि भारत, समान विचारधारा

वाले साझेदारों के साथ, उन मौजूदा खतरों को उजागर करने के लिए प्रतिबद्ध और ऊर्जावान बना रहेगा जो आतंकवाद वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए उत्पन्न करता है। हम इस संकट और इसके पोषण और इसे आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों पर प्रकाश डालेंगे।

'कोई भी मजहब बुरा नहीं होता', फारूक अब्दुल्ला बोले- हमने कभी पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाया

श्रीनगर (एजेंसी)। वरिष्ठ नेता एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने आज साफ तौर पर कहा कि कोई भी मजहब बुरा नहीं होता, इंसान भ्रष्टहोते हैं। दरअसल, फारूक अब्दुल्ला एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कोई भी मजहब बुरा नहीं होता। उसके इंसान भ्रष्ट होते हैं, कोई मजहब नहीं। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे चुनाव के दौरान %हिंदू खतरे में हैं% का खूब इस्तेमाल करेंगे। लेकिन मेरी आपसे गुजारिश है कि आप इसके झांसे में न आएं। आपको बता दें कि वरिष्ठ नेता एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष पद से अगले महीने हटने की घोषणा शुक्रवार को की थी।

आज की सभा में फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि हमने कभी पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने दावा किया कि जिन्ना मेरे पिता से मिलने आए थे, लेकिन हमने उनसे हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। हम इसके लिए खुश हैं, पाकिस्तान में लोग सशक्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमें यहां 50,000 नौकरियों का वादा किया गया था, वे कहां हैं? उन्होंने दावा किया कि हमारे डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और हमारे बच्चे सभी बेरोजगार हैं। यह एक राज्यपाल द्वारा नहीं किया जा सकता है, आप उसे जवाबदेह नहीं ठहरा सकते। चुनाव महत्वपूर्ण हैं।

उम्मीद की जा रही है कि 85 वर्षीय अब्दुल्ला

पार्टी संरक्षक बने रहेंगे और जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त होने के बाद संघ शासित प्रदेश में होने वाले पहले विधानसभा चुनावों में पार्टी का मार्गदर्शन करेंगे। हालांकि, चुनाव की तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है। लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टी का कोई भी सदस्य इस पद के लिए चुनाव लड़ सकता है। यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। फारूक अब्दुल्ला पहली बार 1983 में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष बने थे। नेकां अध्यक्ष का पद छोड़ने के बावजूद फारूक अब्दुल्ला 'पीपुल्स एलायंस फॉर गुपकर डिक्लरेशन (पीएजीडी)' के प्रमुख बने रहेंगे। यह पांच राजनीतिक दलों... नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां),पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) भाकपा, माकपा और अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस का गठबंधन है।

राजनीतिक दलों सहित समाज के सभी स्तंभ भयभीत, चिदंबरम बोले- ये भारत में क्या हो रहा है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि राजनीतिक दलों सहित समाज के सभी स्तंभ आज भय की चपेट में हैं। एक निजी चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए पी चिदंबरम ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के विचार को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा है। चिदंबरम ने कहा कि ÷देश में व्यापक भय है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के विचार को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने इस बारे में बात की कि भारत में जो कुछ हो रहा है, उससे कहीं अधिक चिंताजनक है कि भारत में क्या हो रहा है। चिदंबरम ने कहा कि लोग चिंतित हो गए हैं और भारत के साथ क्या हो रहा है, इस पर विचार करना शुरू कर दिया है, लेकिन देश में व्यापक भय है। व्यापक भय है क्योंकि समाज के स्तंभ भय से जकड़े हुए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया, ÷इतने सारे लोग एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जा रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वे इस भीड़ का हिस्सा नहीं होंगे तो उन्हें और उनके परिवार को परेशान किया जाएगा। पिछली यूपीए सरकार के बारे में बात करते हुए पी चिदंबरम ने कहा कि हमने ऐसा कुछ भी नहीं किया है जिससे भारत को नुकसान पहुंचे। हमने ऐसी गलतियां की हैं जिनसे भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है, भारत में शिक्षा को नुकसान पहुंचा है, भारत में खेल को नुकसान पहुंचा है। ये शासन की विफलताएं हैं। लेकिन हमने भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए कुछ भी नहीं किया है।

अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के बाद विकासात्मक और क्षमता निर्माण परियोजनाओं धीमी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने कहा है कि अफगानिस्तान में तालिबानी शासन से पहले वह तीन अरब डॉलर से अधिक लागत की प्रतिबद्धता के साथ युद्धग्रस्त देश में विकासात्मक और क्षमता निर्माण परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा था, लेकिन राजनीतिक स्थिति में बदलाव के बाद विभिन्न कारणों से इसकी परियोजनाओं की गति धीमी हो गई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के दूत आर मधुसूदन ने बयान दिया। उन्होंने कहा, यह उल्लेख किया जा सकता है कि तालिबान के कब्जे से पहले, भारत अफगानिस्तान में विकास, पुनर्निर्माण और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से तीन अरब डॉलर से अधिक लागत की प्रतिबद्धता के साथ परियोजनाओं और कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रहा था।

मधुसूदन ने कहा, हालांकि, राजनीतिक स्थिति में बदलाव के परिणामस्वरूप विभिन्न कारणों से हमारी परियोजनाओं की गति धीमी हो गई है। फिर भी, अफगानिस्तान के लोगों की मदद करने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं आया है।''

मधुसूदन ने कहा कि भारत अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है, अफगानिस्तान से जुड़े मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सक्रिय

रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, हाल के दिनों में, आतंकवादी हमलों में, विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के उपासना स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाया गया है। यह चिंताजनक है और भारत निर्दोष नागरिकों को निशाना बनने की कड़ी निंदा करता है। रूसी संघ के राजनयिक परिसर पर हुआ हमला अत्यधिक निंदनीय है।

भारत ने कहा कि यह मानना महत्वपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। इसने कहा कि अफगानिस्तान में नई दिल्ली की मुख्य प्राथमिकताओं में अफगान लोगों के लिए तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करना, वास्तविक समावेशी और प्रतिनिधि सरकार का गठन, आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटना तथा महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का संरक्षण करना शामिल है।

'शिवाजी पुराने आदर्श, अंबेडकर और गडकरी नए', महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान पर मच सकता है सियासी बवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी एक बार फिर से मुश्किलों में पड़ सकते हैं। दरअसल वह बयानों की वजह से पिछले दिनों से सुर्खियों में ही आ गए थे। आज एक बार फिर से उन्होंने कुछ ऐसा बयान दिया है जिसकी वजह से उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज अब पुराने हो गए हैं। उनकी जगह नितिन गडकरी, भीमराव अंबेडकर और शरद पवार जैसे लोगों को महाराष्ट्र का नया हीरो मान लेना चाहिए। अब इसी को लेकर महाराष्ट्र में सियासी बवाल मच सकता है। दरअसल, मराठवाड़ा विश्वविद्यालय से नितिन गडकरी और शरद पवार को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल अपना संबोधन दे रहे थे।

अपने बयान में भगत सिंह

कोश्यारी ने कहा कि जब हम स्कूल में थे तो हमसे पूछा जाता था कि आपका रोल मॉडल कौन है। हम वही कहते थे जो हमें उस समय अच्छा लगता था। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग सुभाष चंद्र बोस का नाम लेते थे, कुछ लोग नेहरू को, कुछ लोग गांधीजी को पसंद करते थे। इसके साथ ही अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज अगर आपको आदर्श तलाशने है तो बाहर जाने की कोई जरूरत नहीं है। आप महाराष्ट्र में ही अपना आदर्श तलाश सकते हैं। अगर आपसे कोई पूछता है कि आपके नायक कौन है तो मुझे लगता है कि आप इसे यहां प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि शिवाजी पुराने समय के आदर्श हैं। मैं नए युग की बात कर रहा हूं। डॉक्टर अंबेडकर से लेकर नितिन गडकरी तक अब आपको नए मिल जाएंगे।

माना जा रहा है कि महाराष्ट्र के विपक्षी दल राज्यपाल के इस बयान को लेकर उन पर हमलावर हो सकते हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने तो यह कह दिया है कि उन्हें महाराष्ट्र के राज्यपाल से हटाया जाना चाहिए। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब राज्यपाल ने इस तरह के बयान दिए हैं जिससे कि बवाल बढ़ सकता है। इससे पहले भी उन्होंने महाराष्ट्र और गुजरात को लेकर कुछ बयान दिए थे जिसके बाद बवाल मचा था। उन्होंने कहा था कि मुंबई से गुजराती और राजस्थानी को हटा दिया जाए तो शहर के पास ना तो पैसे बचेंगे और ना ही वित्तीय राजधानी का तमगा। इसके बाद इस बयान पर बवाल मचा था। हालांकि राज्यपाल ने बाद में माफी मांग ली थी।

सोनिया गांधी व खड़गे ने जयंती पर इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 'शक्ति स्थल' पहुंचकर इंदिरा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। खड़गे ने ट्वीट किया आजीवन संघर्ष, साहस व कुशल नेतृत्व की मिसाल, भारत की लौह महिला, श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती पर शत शत नमन। भारत की एकता व अखंडता को संजोए रखने के लिए उन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया। राष्ट्र को समर्पित, उनकी राजनीतिक दृढ़ता को हम भारतवासी हर पल याद करते हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत से पहले अपनी दादी इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंदिरा गांधी को याद करते हुए ट्वीट किया आज़ादी के संग्राम में पली, भारत के महान नेताओं से सीखी पढ़ी, पिता की लाडली थीं वो। देश के लिए दुर्गा, दुश्मनों के लिए काली थीं- निडर, तेजस्विनी, प्रियदर्शिनी। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने इंदिरा गांधी के एक भाषण का अंश साझा करते हुए उनके कथन का उल्लेख किया एकजुट होकर काम करना है, एकजुट होकर आगे बढ़ना है, एकजुटता के साथ देश की विजय सुनिश्चित करनी है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा देश की एकता और अखंडता बरकरार रखने में इंदिरा गांधी का अतुलनीय योगदान रहा है।

'ऐसे आफताब हर शहर में पैदा होंगे', असम सीएम बोले- देश में ताकतवर नेता नहीं होगा तो हम समाज की रक्षा नहीं कर सकेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश में श्रद्धा मर्डर केस की खूब चर्चा हो रही है। श्रद्धा और आफताब रिलेशनशिप में रहते थे। आफताब ने ही श्रद्धा की हत्या कर दी और उसके 35 टुकड़े करके दिल्ली के जंगलों में अलग-अलग फेंक दिए। फिलहाल पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि यह मामला अब चुनाव में भी खूब इस्तेमाल होगा। दरअसल, भाजपा इसे लव जिहाद का मामला बता रही है। आज इसी को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का भी बड़ा बयान आया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने साफ तौर पर कहा है कि अगर देश में मजबूत नेता नहीं होता है तो ऐसे ही हर शहर से आफताब पैदा होंगे। हिमंत बिस्वा सरमा गुजरात में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने श्रद्धा मर्डर केस का जिक्र किया।

अपने बयान में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मुंबई से श्रद्धा को लाने के बाद आफताब में लव जिहाद में उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि आज अगर देश में ताकतवर नेता नहीं होगा तो हम हमारे समाज की रक्षा नहीं कर सकेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि देश को मां के रूप में सम्मान देने वाली सरकार नहीं होगी तो ऐसे अफताब हर शहर में उभरेंगे और हम अपने समाज के रक्षा नहीं कर पाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए जरूरी बताया। आपको बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से प्रचार कर रही है। गुजरात में हिमंत बिस्वा सरमा अभी लगातार पार्टी के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने श्रद्धा मर्डर केस का जिक्र किया।

जांच में जुटी पुलिस: दिल्ली पुलिस के दल श्रद्धा वालकर हत्याकांड की जांच के सिलसिले में मुंबई, गुरुग्राम, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड पहुंचे। जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि आरोपी आफताब अमीन पूनावाला के फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा, ताकि उन लोगों का पता चल सके जिनसे वह वालकर की हत्या के बाद संपर्क में था। इसके अलावा फोन से हटाये गये डेटा को भी प्राप्त किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि पुलिस को अभी तक हड्डियां ही मिलीं हैं जो प्रथम दृष्टया मानव अस्थि जैसी लगती हैं। मुंबई से आने के बाद श्रद्धा और पूनावाला कई जगहों पर गये थे जहां जाकर पुलिस पता लगाने

की कोशिश कर रही है कि क्या इन यात्राओं के दौरान ऐसा कुछ हुआ था जिसका हत्या से कोई लेनादेना हो।

वेश्याओं की स्थिति में सुधार की मांग उठाने वाली एक्टिविस्ट कैरल लेह का निधन

सैन फ्रांसिस्को। वेश्याओं के लिए और वयस्क मनोरंजन व्यवसाय में अन्य लोगों के लिए स्थितियों में सुधार करने की मांग उठाने वाली, सैन फ्रांसिस्को की कार्यकर्ता कैरोल लीग का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। 'सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल' ने बृहस्पतिवार को बताया कि उनकी संपत्ति के प्रबंधक केट मार्कोज के अनुसार, कैंसर से पीड़ित कैरोल ने बुधवार को अंतिम श्वांस ली। पूर्व में खुद देह व्यापार के धंधे में लिप्त रहीं कैरोल द्वारा लिखे गए एक निबंध के अनुसार, उन्होंने खुद को उन लोगों के जीवन स्तर और स्थितियों में सुधार के लिए समर्पित किया जो 'सेक्स वर्क इंडस्ट्री' में हैं।

इन शब्दों का उपयोग कैरोल ने 1978 में पोर्नोग्राफी-विरोधी एक नारीवादी सम्मेलन में एक पैनल चर्चा के लिए शीर्षक के रूप में किया था। मार्कोज ने कहा ''कैरोल ने यौन कर्म को अपराध के तौर पर नहीं बल्कि श्रम मुद्दे के तौर पर परिभाषित किया। देश में करीब दस लाख लोग अपने परिवार को सहारा देने के लिए यह काम करते हैं और उन्हें हर कदम पर अपमानित होना पड़ता है। इस काम को अपराध की तरह देखा जाता है।'' कैरोल ने 1996 में ''एसएफगेट'' को दिए एक साक्षात्कार में बताया था कि उनका जन्म न्यूयार्क सिटी में हुआ था और 1977 में वह सैन फ्रांसिस्को आ गईं जहां से उन्होंने रचनात्मक लेखन में स्नातक की डिग्री ली। आर्थिक कारणों से वह देह व्यापार करने लगीं लेकिन 1979 में देह व्यापार के एक केंद्र में दो व्यक्तियों ने उनके साथ बलात्कार किया। साक्षात्कार में कैरोल ने कहा था कि उन्होंने घटना की शिकायत दर्ज कराने के बजाय इस काम को छोड़ देना बेहतर समझा क्योंकि शिकायत करने पर वह केंद्र बंद हो जाता। ''मैंने स्थितियों में बदलाव लाने के लिए कुछ करने की ठानी।'' मार्कोज ने कहा कि कैरोल के दस्तावेजों को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की श्लेसिंगर लाइब्रेरी में ''हिस्ट्री ऑफ वीमेन इन अमेरिका'' प्रखंड में रखा जाएगा।

प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी शिक्षाविद कुमार टफ्ट्स विश्वविद्यालय के नए अध्यक्ष नियुक्त

न्यूर्याक । प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी शिक्षाविद सुनील कुमार को मैसाचुसेट्स स्थित टफ्ट्स विश्वविद्यालय का नया अध्यक्ष नियुक्त बनाया गया है। वे इस पद पर पहुंचने वाले पहले गैर श्वेत व्यक्ति हैं। विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक अभी तक जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में शैक्षणिक मामलों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रोवोस्ट के पद पर कार्यरत कुमार को टफ्ट्स विश्वविद्यालय के न्यासी बोर्ड की ओर से अगला अध्यक्ष नामित किया गया है। इसमें कहा गया है कि वह टफ्ट्स विश्वविद्यालय के 14वें अध्यक्ष के रूप में एक जुलाई, 2023 को मौजूदा अध्यक्ष एंथनी मोनाको का स्थान लेने वाले हैं। बयान में कहा गया कि कुमार इस पद पर आसीन होने वाले पहले गैर श्वेत व्यक्ति हैं। न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष और 'प्रेसिडेंशियल सर्च कमेटी के अध्यक्ष पीटर डोलन ने कहा कि एक नेतृत्वकर्ता, शिक्षक और सहयोगी के रूप में कुमार का असाधारण रूप से मजबूत रिकॉर्ड है। भारत में जन्मे कुमार एक पुलिस अधिकारी के बेटे हैं। इसके पहले वह 'यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन रह चुके हैं। कुमार ने मंगलुरु विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में स्नातक किया और बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएस) से कम्यूटर साइंस एंव ऑटोमेशन में परास्नातक की डिग्री हासिल की। कुमार ने वर्ष 1996 में इलिनोइस विश्वविद्यालय से पीएचडी किया। कुमार के शैक्षणिक करिअर की शुरुआत स्टैनफोर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस से हुई, जहां उन्होंने 12 साल तक अध्यापन कार्य किया। कुमार ने अपने बयान में कहा कि नये अध्यक्ष के रूप में उनकी प्राथमिकता ऐसी राह विकसित करने की होगी कि अधिक से अधिक संसाधनों को सुनिश्चित करके टफ्ट्स को यथा संभव आर्थिक रूप से वहनीय बनाया जा सके।

मौत की सजा पाने वाले कैदी ने अंतिम इच्छा के रूप में दिया खाने का आर्डर, 1800 रुपए का बना बिल

लंदन। अमेरिका में एक कैदी ने मौत की सज़ा से ठीक पहले खाने का ऑर्डर दिया। कैदी ने इस दौरान आइसक्रीम और पंपकिन पाई खाने की इच्छा जताई। इसके अलावा रिचर्ड फेयरचाइल्ड नाम के इस अपराधी ने दो क्वार्टर-पाउंडर चीज़बर्गर, बड़े चिप्स, चॉकलेट आइसक्रीम और पीने के लिए एक बड़ा कोक का ऑर्डर दिया। उन्हें उनके जन्मदिन पर गुरुवार को घातक इंजेक्शन देकर मार दिया गया। उनकी मृत्यु सुबह 10.24 बजे दर्ज की गई। उसने मौत से पहले कहा मैं भगवान के पास जा रहा हूं। मेरे लिए शोक मत करो क्योंकि मैं अपने स्वर्गीय पिता से मिलने के लिए घर जा रहा हूं। ओक्लाहोमा में मौत की सजा पाने वाले कैदियों को अपने अंतिम भोजन के लिए 25 डॉलर का बजट दिया जाता है। राज्य प्रोटोकॉल कहता है कि अनुरोध को समायोजित करने के लिए उचित प्रयास किया जाएगा, जो 25 डॉलर से अधिक नहीं होगा। फेयरचाइल्ड को 1993 में अपनी प्रेमिका के तीन साल के बेटे एडम ब्रूमहॉल को प्रताड़ित करने और उसकी हत्या करने के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी। अभियोजकों ने कहा कि टेबल पर फेंकने से पहले लड़के को एक जलती हुई भट्ठी पर रख दिया था क्योंकि उसने बिस्तर गीला कर दिया था। लड़के को कभी होश नहीं आया और उसी दिन मर गया। ओक्लाहोमा अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा, एडम की हत्या के तरीके को केवल यातना के रूप में वर्णित किया जा सकता है। ब्रूमहॉल के चाचा ने कहा कि वह फेयरचाइल्ड को अपने भतीजे की मौत के लिए खेद व्यक्त करते हुए सुनकर हैरान थे।

लीमा के हवाईअड्डे से उड़ान भर रहा विमान रनवे पर दमकल से टकराया

- विमान में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित, दमकल के दो कर्मचारियों की मौत, एक घायल

लीमा। लीमा के अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भर रहा लेटैम एयरलाइंस का एक विमान रनवे पर एक दमकल ट्रक से टकरा गया और उसमें आग लग गई। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने कहा कि विमान के सभी यात्री और चालक दल पूरी तरह सुरक्षित हैं, लेकिन ट्रक में सवार दो दमकलकर्मियों की मौत हो गई। लीमा के जॉर्ज शावेज हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी लीमा एयरपोर्ट पार्टनर्स ने एक ट्वीट में कहा कि एयरपोर्ट पर उड़ान सेवाओं का संचालन फिलहाल रोक दिया गया। दुर्घटना की शिकार हुई एयरबस में 102 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। एक अंग्रेजी अखबार की खबर के मुताबिक लीमा एयरपोर्ट पार्टनर्स कंपनी ने कहा कि हमारी टीमें सभी यात्रियों को जरूरी देखभाल की सुविधा प्रदान कर रही हैं। सभी यात्री अच्छी स्थिति में हैं। दमकल विभाग के जनरल कमांडर लुइस पोंस ला जारा ने कहा कि एयरपोर्ट पर हुई इस दुर्घटना में दो दमकलकर्मियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। वे जिस ट्रक में थे, वह विमान की चपेट में आ गया। जब ट्रक और विमान टकराए तब दोनों ही काफी तेज गति में थे। पेरू के राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो ने एक ट्वीट में दमकलकर्मियों की मौत के बाद उनके परिवारों के लिए अपनी संवेदना जताई है। बताया जा रहा है कि ये फ्लाइट लीमा के मुख्य हवाई अड्डे से पेरू के जुलियाका शहर के लिए उड़ान भर रही थी। सोशल मीडिया पर वीडियो में रनवे पर एक बड़े विमान से धुआं निकलता दिख रहा है। दमकल विभाग के मुताबिक ये घटना स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर को हुई। दुर्घटना के बाद चार बचाव इकाइयां जुटाई गईं। कैलाओ में जहां हवाई अड्डा स्थित है, वहां अभियोजक कार्यालय ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

बफ़ेलो, न्यूयॉर्क, यू.एस. में अत्यधिक सर्दी के मौसम में बर्फीले तूफान के दौरान सड़क पर चलते निवासी।

पश्चिमी न्यूयॉर्क में भारी बर्फबारी से थमी जिंदगी

- मौसम विभाग के अलर्ट के बीच इमरजेंसी की घोषणा

न्यूयॉर्क । अमेरिका के न्यूयॉर्क में कई इलाकों में भारी बर्फबारी हो रही है। ?जिससे लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया और शहर की रफ्तार थम सी गई है। मौसम विभाग ने रविवार तक भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। इसी वजह से न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होशुल ने पश्चिमी न्यूयॉर्क के कई इलाकों में भारी बर्फबारी के चलते स्टेट इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। बताया जा रहा है कि न्यूयॉर्क में अभी और भी भयंकर बर्फबारी होने वाली है। यही वजह है कि बर्फबारी के संभावित खतरों को देखते हुए पश्चिमी न्यूयॉर्क में इमरजेंसी का ऐलान किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सर्विस का अनुमान है कि रविवार तक 4 फीट तक बर्फ गिर सकती है, जो लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित कर सकती है। इतना ही नहीं ओहियो में अश्तबुला काउंटी शेरिफ ने काउंटी में आई-90 के उत्तर में सभी क्षेत्रों के लिए लेवल 3 वाला स्नो इमरजेंसी यानी हिम आपातकाल का ऐलान किया। मिशिगन में भी बर्भबारी हो रही है। यही वजह है कि इन इलाकों में बर्फीली परिस्थितियों ने ग्रैंड रैपिड्स में गेराल्ड आर. फोर्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों को उड़ान में देरी हुई।

लंदन को 6 मिनट में तबाह कर सकता है नया रूसी ब्रह्मास्त्र !

- पुतिन के 'सतान-2' टेस्ट से दुनिया में मची खलबली

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस ने नई हाइपरसोनिक परमाणु मिसाइल सतान-2 का परीक्षण कर दुनिया को अपनी महाविनाशक ताकत का अहसास कराया है। यह मिसाइल 25 हजार किलोमीटर प्रतिघंटे की तूफानी रफ्तार से हमला करती है। मिसाइल परीक्षण रूस के व्यापक सैन्य अभ्यास का हिस्सा है। रूस के कर्नल जनरल सर्गेई काराकेइव ने कहा कि आरएस-28 सरमत मिसाइल का परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा है। यह इस मिसाइल का दूसरा सफल परीक्षण है। जनरल सर्गेई ने यह नहीं बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण कब और कहां पर किया गया। इससे पहले इसी महीने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बारे में कहा गया था कि वह साल के अंत तक अपनी अपराजेय मिसाइल के दूसरे परीक्षण की योजना बना रहे हैं। रूस ने इससे पहले अपनी इस हाइपरसोनिक मिसाइल का जमकर बखान किया था। यह एक मिसाइल ही अपने साथ 15 वारहेड ले जा सकती है और दुश्मन के कई लक्ष्?यों को परमाणु बम गिराकर तबाह कर सकती है। रूस इस मिसाइल को साल के अंत तक पूरी तरह से तैनात करने की योजना बना रहा है। यह मिसाइल दागने के मात्र 6 मिनट के अंदर ही ब्रिटेन को तबाह कर सकती है।

पुतिन ने अप्रैल महीने में इस मिसाइल के पहले परीक्षण के बाद कहा था कि यह दुनिया के किसी भी डिफेंस सिस्टम के पकड़ में आए बिना तबाही मचा सकती है। जो ताकतें रूस को धमकाने का प्रयास कर रही हैं, वे अब दोबारा सोचें। इस मिसाइल के पहले परीक्षण के दौरान जारी किए गए वीडियो में नजर आया था कि यह मिसाइल दागे जाने के दौरान आग का विशाल गुबार छोड़ती है। सतान-2 मिसाइल 115 फुट लंबी है। यह मिसाइल मात्र 15 मिनट के अंदर ही पूरे रूस के अंदर यात्रा कर सकती है। मई महीने में पुतिन के बेहद करीबी दमित्री रोगोजिन ने खुलासा किया था कि रूस करीब 50 सतान-2 मिसाइलों का उत्पादन कर रहा है और दुनिया जल्द ही इस मिसाइल को युद्धक ड्यूटी पर देखेगी। उन्होंने दावा किया था कि यह मिसाइल पूरे अमेरिका के आधे तटीय इलाके को तबाह कर सकती है। रूस इस मिसाइल को अपने पूर्वी साइबेरिया स्थित फैक्ट्री में बनाता है। इस फैक्ट्री को 'डूम्सडे प्लांट' कहा जाता है।

दुनिया के सबसे बड़े ऑयल प्लेटफॉर्म कहे जाने वाले रूस के सखालिन आइलैंड पर गैस विस्फोट, 9 लोगों की मौत

कीव (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े ऑयल प्लेटफॉर्म कहे जाने वाले रूस के सखालिन आइलैंड पर एक गैस विस्फोट हुआ है। क्षेत्रीय गवर्नर ने कहा कि रूस के प्रशांत द्वीप सखालिन पर आंशिक रूप से ढहे पांच मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक के मलबे में नौ लोगों की मौत हो गई है और आपातकालीन सेवाएं अभी भी लापता एक की तलाश कर रही हैं। रूसी समाचार एजेंसियों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह धराशायी गैस विस्फोट के कारण हुआ है। रूस की न्यूज एजेंसी टॉस ने आपातकालीन सेवाओं के एक सूत्र के हवाले से बताया कि खाना पकाने के चूल्हे से जुड़ा 20 लीटर का गैस सिलेंडर फट गया था।

रूस की जांच समिति ने कहा कि वह आपदा के कारणों की जांच कर रही है। एजेंसी के सूत्र के मुताबिक, ये सिलेंडर खाना पकाने वाले गैस चूल्हे से जुड़ा हुआ था और ये 20 लीटर का गैस सिलेंडर था। तो वहीं, रूस की जांच समिति ने कहा है कि वो इस घटना के कारणों की जांच कर रही है। धमाका इतना जोरदार था कि अपार्टमेंट के ब्लॉक को ही ध्वस्त कर दिया।

पाकिस्तान में नए सेना प्रमुख की नियुक्ति में देरी से पैदा हुआ असमंजस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में शायद ही किसी मामले पर इतनी ज्यादा राजनीतिक गहमागहमी और मीडिया हलचल पैदा होती है, जितनी सेना प्रमुख की नियुक्ति को लेकर उत्पन्न होती है। पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट की आशंका रहती है, इस लिहाज से सेना प्रमुख की नियुक्त काफी बड़ा मुद्दा माना जाता है। पाकिस्तान में सेना प्रमुख की शक्तियां किसी कानूनी किताब के अनुसार तय नहीं होती हैं बल्कि प्रभुत्व के दम पर उसे शक्तियां मिली होती हैं। पाकिस्तान के परमाणु शक्ति संपन्न देश होने की वजह से सेना प्रमुख की नियुक्ति पर देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर की नजर रहती है। सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा 29 नवंबर को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति एक प्रशासनिक मामला है। कानून के अनुसार वर्तमान प्रधानमंत्री के पास शीर्ष के तीन-स्टार जनरल में से किसी एक को सेना प्रमुख चुनने की शक्ति होती है, लेकिन राजनीतिक रूप से इसका मतलब अलग होता है। प्रधानमंत्री किसी ऐसे व्यक्ति को सेना प्रमुख चुनना चाहता है जो अपना काम करता रहे और उसके लिए चुनौती न बने।

पाकिस्तान के 75 से अधिक साल के इतिहास में आधे से ज्यादा समय तक देश पर शासन करने वाली सेना ने अब तक सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में अपनी शक्ति का काफी इस्तेमाल किया है। साल 1947 में पाकिस्तान की स्थापना हुई, जिसके बाद पहले दशक में एक के बाद एक सात प्रधानमंत्री बदले। देश में जब संवैधानिक शासन आपसी रस्साकशी और कुप्रबंधन की भेंट चढ़ गया तो, तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल अय्यूब खान ने 1958 में सैन्य शासन लागू कर सत्ता अपने हाथ में ले ली। अय्यूब खान ने ताकत के दम पर राज किया और जब वह अलोकप्रिय हो गए तो अंततः 1969 में उन्हें सत्ता से हटना पड़ा। लेकिन उनके हटने के बाद भी सत्ता सेना प्रमुख याहया खान के पास गई, जिन्होंने 1971 तक शासन किया। भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 में पूर्वी पाकिस्तान में हुए संक्षिप्त युद्ध के बाद याहया खान को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। इस युद्ध के बाद बांग्लादेश के रूप में एक नया देश अस्तित्व में आया। इसके बाद पाकिस्तान में दो सैन्य तानाशाहों का राज रहा। जनरल जिया उल हक ने 1977 से 1988 जबकि जनरल परवेज मुशर्रफ ने 1999 से 2008 तक पाकिस्तान पर शासन किया। दोनों का शासन पाकिस्तान में आंतरिक कलह और संघर्ष की कड़वी यादें छोड़ गया।

जी-20 घोषणा संबंधी बातचीत में भारत ने निभाई अहम भूमिका: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि इंडोनेशिया में हाल में संपन्न हुए जी-20 शिखर सम्मेलन की बाली घोषणापत्र संबंधी बातचीत में भारत ने अहम भूमिका निभाई। उसने यह कहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन ज्यां पियरे ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''भारत ने शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र संबंधी बातचीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''हमारे पास अन्य प्राथमिकताओं के बीच एक लचीली वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए वर्तमान खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियों को दूर करने का एक रास्ता है।'' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन बृहस्पतिवार को इंडोनेशिया के बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेकर लौटे। भारत दिसंबर में जी-20 की अध्यक्षता संभालेगा। समूह के सभी सदस्यों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का कहना है कि भारत की अध्यक्षता जी-20 के इतिहास में महत्वपूर्ण साबित होगी। पियरे ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के संबंध इस नतीजे के लिए महत्वपूर्ण थे और हम भारत की अगले साल जी-20 अध्यक्षता के दौरान सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। हम अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि बाइडन ने शिखर सम्मेलन से इतर मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से बात की।

म्यांमार में चीन का प्रभाव दक्षिण चीन सागर में युद्ध की नौबत ला सकता है

बीजिंग (एजेंसी)। म्यांमार के भाग्य के एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए बड़े निहितार्थ हैं। एक अलोकतांत्रिक म्यांमार चीन को छोड़कर किसी के हित में नहीं है, जो अपनी दो-महासागर रणनीति के अनुसरण में अपने छोटे पड़ोसी में अपने आर्थिक और सामरिक प्रभाव को मजबूत कर रहा है। इसमें म्यांमार की राजधानी यांगून के पश्चिम में निर्मित होने वाले गैस से चलने वाले बिजली संयंत्र में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर शामिल हैं, जिसका 81त्न स्वामित्व और संचालन चीनी कंपनियों द्वारा किया जाएगा। चीन जिन दर्जनों बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रहा है, उनमें हाई-स्पीड रेल लिंक और बांध शामिल हैं।

लेकिन इसका सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण निवेश चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा है, जिसमें कई दसियों अरब डॉलर की लागत वाली तेल और गैस पाइपलाइन, सड़कें और रेल लिंक शामिल हैं। कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा म्यांमार के पश्चिमी तट पर क्यौकफ्यू में बनने वाला एक गहरे समुद्र का बंदरगाह है, जिसकी अनुमानित लागत सात अरब अमेरिकी डॉलर है। यह अंततः चीन को हिंद महासागर में लंबे समय से वांछित बैक डोर देगा। म्यांमार से प्राकृतिक गैस चीन को ऑस्ट्रेलिया जैसे आपूर्तिकर्ताओं से आयात पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है।

हिंद महासागर तक पहुंच चीन को मध्य पूर्व, अफ्रीका और वेनेजुएला से गैस और तेल आयात करने में सक्षम बनाएगी और इस दौरान जहाजों को चीनी बंदरगाहों तक जाने के लिए दक्षिण चीन सागर के विवादित जल से गुजरना भी नहीं पड़ेगा। चीन का लगभग 80त्न तेल आयात अब मलक्का जलडमरूमध्य के माध्यम से दक्षिण चीन सागर से होकर जाता है, जो मलय प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के सुमात्रा के बीच अपने सबसे संकरे बिंदु पर सिर्फ 65 किलोमीटर चौड़ा है। यकीनन इस रणनीतिक भेद्यता पर काबू पाने के लिए क्यौकफ्यू बंदरगाह और पाइपलाइन चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है जो वैश्विक व्यापार मार्गों को फिर से आकार देने और अन्य देशों पर अपने प्रभाव को मजबूत करता है।

गहराता रिश्ता म्यांमार के तख्तापलट से पहले चीन के अधिकांश बुनियादी ढांचे के निवेश की योजना बनाई गई थी। लेकिन जबकि अन्य सरकारों और विदेशी निवेशकों ने फरवरी 2021 में म्यांमार की चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद से खुद को जुंटा से दूर रखने का फैसला किया, चीन ने अपने रिश्ते को गहरा किया है। चीन म्यांमार शासन का सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समर्थक है। अप्रैल में विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन म्यांमार का समर्थन करेगा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि स्थिति कैसे बदलती है। मई में म्यांमार में हिंसा और बढ़ते मानवीय संकट के बारे में चिंता व्यक्त करने वाले एक बयान को विफल करने के लिए चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल किया। चीन-म्यांमार आर्थिक कॉरिडोर से जुड़ी परियोजनाओं पर काम जारी है। नए उद्यम (जैसे उपरोक्त पावर स्टेशन) को मंजूरी दे दी गई है।

उ कोरिया में आईसीबीएम टेस्ट के दौरान किम जोंग के साथ पहली बार दिखाई दी बेटी

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पहली बार दुनिया को अपनी बेटी से रूबरू कराया। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को ह्वासोंग-17 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया। इस दौरान सबसे खास बात यह थी कि किम की बेटी भी उनके साथ मौजूद रही।

मिसाइल दागने के साथ ही उन्होंने अपना एक फोटो भी शेयर किया, जिसमें वह सफेद कोट पहने एक लड़की साथ हाथ में हाथ डाले दिख रहे हैं। वह लड़की कोई और नहीं बल्कि उनकी बेटी है। पहली बार दुनिया के सामने उन्होंने अपनी बेटी के होने की जानकारी दी है।

राज्य समाचार एजेंसी केसीएनए ने बताया कि उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को ह्वासोंग-17 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया था, लेकिन हैरानी वाली बात उनकी बेटी की उपस्थिति रही, जिसकी इससे पहले कभी सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की गई थी। हालांकि किम की बेटी के नाम की जानकारी नहीं दी गई है। यह पहली बार है जब उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने किम की बेटी का जक्रि किया है या उसकी तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। केसीएनए ने उनके नाम और उम्र जैसे उनके बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

उल्लेखनीय है कि किम की निजी जिंदगी के बारे में अभी भी बहुत कुछ पता नहीं है। दक्षिण कोरियाई मीडिया ने बताया कि किम ने 2009 में एक पूर्व गायिका री से शादी की थी और इस जोड़े के तीन बच्चे हैं जो 2010, 2013 और 2017 में पैदा हुए। किम जोंग उन ने कहा कि प्योंगयांग परमाणु हथियारों का परमाणु हथियारों से और पूर्ण सैन्य टकराव का उसी तरह से जवाब देगा। यह धमकी उत्तर कोरिया द्वारा एक और अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के परीक्षण के एक दिन बाद आई है।

दुनियाभर से अलग-थलग किए जा चुके उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को पूर्वी सागर की ओर यह मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि यह कदम दक्षिण कोरिया और जापान की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए अमेरिका द्वारा किए गए उपायों के विरोध में उठाया गया।

किम जोंग उन के निजी जीवन के बारे में दुनिया को ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन 2013 में पूर्व बॉस्केटबॉल स्टार डेनिस रोडमैन ने बताया था कि किम का एक बच्चा है, जिसे लोग जू ए के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने कहा था कि किम जोंग उन एक अच्छे पिता हैं। डेनिस ने कहा था कि उनकी किम जोंग उन की पत्नी री सोल जू से भी मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा मैंने उनके बच्चे को गोद में लिया और री सोल से बात भी की।

टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है गले में खराश का कारण

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे सामान्य समस्या न समझो। इस खराश का कारण टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है।

गले में खराश होना आम बात होती है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी गले में खराश की समस्या होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ती ही है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर अक्सर अनदेखा करते रहते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। **इसके अलावा फंगल इंफेक्शन** भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ **या दवाइयों के विपरीत** प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खान-पान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थ इसका कारण बन सकते हैं। मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी संक्रमण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

टॉन्सिल्स

गले में खराश या ग्रसनीशोथ गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से **कर्कश आवाज, हल्की खांसी,** बुखार, सिरदर्द, थकान और खासकर कुछ निगलते वक्त गले में दर्द होता है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से **रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये** टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पड़ते हैं। ये थोड़े बढ़े हुए होते हैं और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकत्ते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है। लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब ये संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉकस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब ये संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक **बीमारी को जन्म दे सकता है।**

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाला टॉन्सिल्स। एंडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना, खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। **इसमें मुंह खुला रहता है और** कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं।

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना बुखार आना
- गले के अंदर टॉन्सिल्स **लाल होना व सूजन आना**
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

सावधानी व अन्य उपचार

गले की खराश के उपचार के बारे में कहते हैं- आमतौर पर गले की **खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे** संक्रमण **तो कई बार खुद ही दूर** हो जाते हैं, लेकिन स्ट्रेन्टोकॉकस **जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायो**टिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना **बहुत जरूरी होता है। इसके अ**लावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को **बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उप**चार हैं। **इनमें निम्न उपचार प्रमुख हैं :**

- **गले की नमी बनाए रखने** के लिए पानी और जूस जैसे तरल **पदार्थों का सेवन करते रहें।**
- **नर्म चीजें खाएं, जैसे हल**वा, जई (ओट्स) और सूप।
- **डॉक्टर द्वारा बताए गए नि**र्धारित समय पर पेरासिटामोल या **आई ब्रुफिन लेते रहें।**
- **नमक युक्त गुनगुने पानी** से गरारे करें। इससे आराम मिलेगा।
- **जब गले में खराश फंगस** की वजह से हो या ओरल थ्रश हो, **तभी डॉक्टर एंटी-फंगल** दवाएं देते हैं।
- **अदरक, कैमोमाइल या कु**ठरा की चाय गले में आराम भी देती **है और इसमें जीवाणुरोधक** गुण भी हैं।
- **धूम्रपान न करें और मिर्च**-मसाले का भोजन न लें।

फेफड़े शरीर के सबसे सक्रिय, महत्वपूर्ण और नाजुक अंगों में से एक हैं। पर, दिल की तरह उन्हें सेलिब्रिटी का दर्जा प्राप्त नहीं है। जबकि, दिल से ज्यादा मौतें फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं। भारत में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में चार कारण फेफड़े व श्वसन रोगों से जुड़े हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, कैंसर (फेफड़ों का कैंसर दूसरे स्थान पर है) और ट्युबरक्लोसिस। बढ़ता वायु प्रदूषण इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है।

बढ़ता वायु प्रदूषण बन रहा है फेफड़ों के लिए समस्या

दो दशक पहले तक फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी को धूम्रपान करने वालों की बीमारी माना जाता था, क्योंकि 90 प्रतिशत मामले धूम्रपान करने वालों के ही होते थे। पर, अब यह समस्याएं ज्यादातर सभी लोगों को अपना शिकार बना रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2020 में देश में कोरोना महामारी से हुई कुल मौतों से करीब 12 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण फेंफड़ों से जुड़ी 40 प्रतिशत बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। नेचर जेनेटिक्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण से सभी तरह की नॉन कम्युनिकेबल डिसीज़ेज जैसे कार्डियो वॉस्क्युलर, ऑटो इम्युन डिसीज़ेज, डायबिटीज़, अर्थराइटिस आदि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हम दिन भर में करीब 25,000 बार सांस लेते और छोड़ते हैं। प्रदूषित हवा के बीच लगातार रहना कई तरह से सेहत पर असर डालता है। खासकर, ठंड में वायु प्रदूषण का बढ़ना फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कत बढ़ा देता है।

कैसे डालते हैं प्रदूषक सेहत पर असर

सेहत पर सबसे अधिक बुरा असर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), ओजोन, नाइट्रोजन डाय **ऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड का** पड़ता है। **ईंधन के जलने, बिजली के उप**करण व औद्योगिक प्रक्रियाओं से सल्फर डाई **ऑक्साइड निकलती है। जिसके कारण** सांस **फूलना, लगातार नाक से पानी निकलने** लगता **है। 10 और 2.5 माइक्रॉन से कम व्यास** वाले **पीएम सेहत के लिए बहुत हानिकारक** होते हैं। **ये सांस से फेफड़ों में प्रवेश करते हैं और** रक्त के प्रवाह में मिल जाते हैं।

ऐसे रहेंगे फेफड़े स्वस्थ और मजबूत

- **नीम प्रदूषकों को अवशोषित क**रके शरीर से वायु प्रदूषण के असर को कम करने में मदद करता है। इसके लिए त्वचा व बालों को नीम की पत्तियों के उबले हुए पानी से धोने से त्वचा व म्युकोसल मैम्ब्रेन में फंसे पोषक तत्व बाहर निकलते हैं। सप्ताह में दो **बार नीम की 3-4 पतियां चबा**ने से भी लाभ मिलता है।
- तुलसी प्रदूषक तत्वों को सोखती है। इसका काढ़ा श्वसन रोगों में राहत देता है।
- **हल्दी एक एंटीऑक्सीडेंट है।** इसे घी के **साथ मिलाकर लेना कफ में आ**राम देता है **और अस्थमा अटैक में सहायता करता है।**
- **रोज 2-3 चम्मच देसी घी खाएं**, ये लेड व **पारे जैसे हानिकारक तत्वों को** शरीर में जमा नहीं होने देता।
- त्रिफला **पॉउडर वात, पित्त और** कफ दोषों के असंतुलन को संतुलित करके इम्यूनिटी बढ़ाता है। रात में एक चम्मच शहद के साथ लें।
- **श्वसन क्रियाएं प्राणायाम, कपा**लभाति व जलनेति करें।
- यूनिवर्सिटी ऑ**फ मेरीलैंड मे**डिकल सेंटर के अनुसार, पोषक तत्वों जैसे विटामिन **ए, सी, ई और मिनरल्स जैसे** जिंक, **पोटेशियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी फेफड़ों के रोगों का** खतरा बढ़ाती है। रंग-बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज खाएं।

वायु प्रदूषण का असर

- सिरदर्द
- नाक, गला और आंखों में दर्द, सूजन और जलन
- खांसी और सांस लेने में दर्द
- निमोनिया, ब्रोन्काइटिस
- स्किन इरिटेशन
- दीर्घकालिक असर
- सेंटर नर्वस सिस्टम पर असर (सिरदर्द, बेचैनी)
- कार्डियोवैस्कुलर रोग
- श्वसन तंत्र से जुड़े रोग
- (अस्थमा, कैंसर)

वायु प्रदूषण का खतरा किन लोगों को है ज्यादा

- **फेफड़े, हृदय व मधुमेह से जूझ** रहे लोग
- बच्चे व बुजुर्ग
- गर्भवती महिलाएं
- बहुत अधिक समय प्रदूषित वातावरण में बिताने वाले लोग

ठंड में रहें सावधान

सर्दियों में श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं के बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं; पहला, जब तापमान में तेज गिरावट आती है तब श्वास नलिकाएं थोड़ी सिकुड़ **जाती हैं जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। दूसरा, ठंडी और सूखी** हवा **बीमार फेफड़ों को ही नहीं स्वस्थ फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती** है। तीसरा सर्दियों में स्मोग **(स्मोक+फॉग) के कारण प्रदूषण** का **स्तर अधिक होता है। प्रदूषित** वायु श्वास **नलिकाओं और फेफड़ों के साधे** संपर्क **में आने से ऊतकों की कोशिकाओं** के **डीएनए को नुकसान पहुंचता है** जिससे **वो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में** चेहरे व **नाक को ढक कर रखें, जब** तापमान **बहुत कम हो तो खुले में व्यायाम** न करें, **मुंह के बजाय नाक से सांस लें**, ताकि **फेफड़े ठंडी हवा के सीधे संपर्क** में न **आएं। दमा या सांस के रोगी एन** 95 **मास्क पहनकर ही बाहर निकलें।** गहरी **सांस लें डीप ब्रीदिंग से फेफड़े** साफ होते **हैं। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन** अंदर **जाती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। डीप ब्रीदिंग** का **सही तरीका है, नाक से सांस** अंदर लो **और मन ही मन 1-2-3-4 तक** गिनो, **फिर मुंह से सांस छोड़ो और** 1-2-3-4-5-6-7-8 **तक गिनो।** गहरी सांस **छाती से नहीं पेट से लेनी चाहिए।**

फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण

प्रदूषित वायु में सांस लेने से फेफड़ों की क्षमता और कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और वो समय से पहले बूढ़े होने लगते हैं। लगातार टॉक्सिन्स और प्रदूषकों के संपर्क में रहने से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। वायु प्रदूषण का असर बड़ों की तुलना में बच्चों पर अधिक होता है। बच्चों की श्वसन दर वयस्कों से अधिक होती है, इस कारण बच्चे सांस के जरिए अधिक मात्रा में प्रदूषक भी अंदर ले लेते हैं। बच्चों की लंबाई और आदतों के कारण वो उन प्रदूषकों के अधिक संपर्क में रहते हैं जो वायु से भारी होते हैं और उनके ब्रीदिंग जोन में केंद्रित हो जाते हैं। बच्चों का एअरवेज भी संकरा होता है और उनके फेफड़े अभी भी विकसित हो रहे हैं इसलिए थोड़ा सा भी प्रदूषण बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों को धूल, मिट्टी की एलर्जी से अचानक ही दौरा पड़ने की स्थिति आती है, उन्हें इमरजेंसी दवाएं घर में रखनी चाहिए।

इनडोर प्रदूषण से भी बचें

- घरों और ऑफिसों के भीतर की हवा भी शुद्ध रखें। एअर फ्रेशनर का उपयोग न करें, बल्कि एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगवाएं। हमेशा खिड़कियां और दरवाजे बंद करके न रहें, दिन में कुछ समय ताजी हवा अंदर आने दें। -घर के अंदर धूम्रपान न करें।
- ठहाके लगाएं ठहाका लगाकर हंसते समय बासी हवा बाहर निकल जाती है और फेफड़े ताजी हवा से भर जाते हैं।
- मसूड़े रखें स्वस्थ स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में हुए शोध के अनुसार बीमार मसूड़ों की वजह से व्यक्ति के फेफड़े ठीक से कार्य नहीं कर पाते हैं।
- व्यायाम के समय फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है। अध्ययनों के अनुसार सामान्य स्थिति में स्वस्थ व्यक्ति एक मिनट में 15 बार सांस लेता है, पर व्यायाम के दौरान यह बढ़कर 40-50 प्रति मिनट हो जाता है।
- पानी और दूसरे तरल पदार्थ अधिक लें। इससे फेफड़ों की म्युकोसल लाइनिंग पतली रहती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम कर पाते हैं।
- संक्रमित होने से बचें। बार-बार संक्रमण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जब जरूरी हो हाथों को साबुन और पानी से धोएं। सर्दियों में गुनगुना पानी पिएं। बार-बार चेहरे को छूने से बचें।
- रीढ़ को सीधा करके बैठें, ताकि फेफड़ों को पर्याप्त स्थान मिल सके। जो लोग दिनभर ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे काम करते हैं, उन्हें चाहिए कि हर दो घंटे में पांच मिनट के लिये कुर्सी पर थोड़ा पीछे की ओर झुक जाएं, छाती को थोड़ा-सा ऊपर उठा दें और गहरी सांस लें।

सेहत को बिगाड़ सकता है इन चीजों का रात के समय खाना

अगर आप भी रात में इन चीजों में से कोई एक भी खाते हैं तो जरा संभल जाए। इन चीजों को रात के समय खाना आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। हो सके तो इन 8 चीजों को रात के समय यानी कि डिनर के भोजन में खाने से बचें।

स्नैक्स

रात के वक्त कुछ चीजें खाने से आप तौबा ही करें तो बेहतर होगा। इनमें स्नैक्स या चिप्स जैसी चीजें भी शामिल है। हालांकि इनका सेवन दिन के वक्त भी नुकसानदेह ही होता है। दरअसल इनमें अत्यधिक मात्रा में मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद संबंधी समस्याएं देने के साथ ही, अन्य स्वास्थ्य परेशानियां भी दे सकता है।

एल्कोहल

रात को सोने से ठीक पहले किसी भी प्रकार का नशा या अल्कोहल का सेवन आपके लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से वाइन नींद की गुणवत्ता को खराब करती है नींद के समय को कम कर देती है। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक मात्रा में होती है।

पिज्जा

अक्सर रात के वक्त पार्टी या बाहर जाकर खाने में लोग पिज्जा पसंद करते हैं। लेकिन इसे पचाने में आपके पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा पिज्जा में चिकनाई बहुत अधिक होती है और इसमें जो सॉस व अन्य मसाले प्रयोग किए जाते हैं, वे आपके लिए हार्टबर्न का खतरा बढ़ा देते हैं। इसलिए कोशिश करें कि रात के वक्त इसका प्रयोग बिल्कुल न करें।

बर्गर

सोने से पहले बर्गर खाना भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बर्गर में चीज व सॉस का प्रयोग कर हम इसे भले ही इसका स्वाद बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही चीजें पेट में प्राकृतिक एसिड के उत्पादन को बढ़ाती हैं, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें की चीज और सॉस से युक्त बर्गर का सेवन न ही करें।

रेड मीट

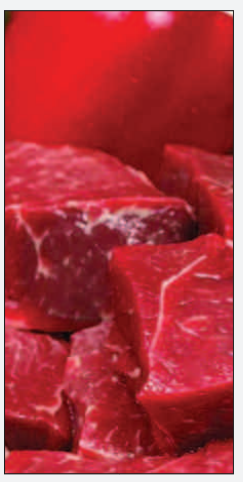

रेड मीट प्रोटीन और आयरन का स्रोत है। लेकिन इसका अधिक सेवन करने से आपको बेचैनी हो सकती है और यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। तो अगर आप शांति से गहरी नींद लेना चाहते हैं, तो रात में रेड मीड को नजरअंदाज करें।

पास्ता

पास्ता कैलोरी से भरपूर होता है, और इसमें सबसे अधिक कैलोरी होती है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है जो वसा में बदल जाता है। इसके अलावा इसे चीज और अन्य फैटी चीजों के साथ बनाया जाता है जिससे इसका ग्लासिमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। रात के समय इसका प्रयोग हृदय और पाचन तंत्र के लिए हानिकारक होता है।

ऐसी सब्जियां

कुछ सब्जियों में अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखती है, और पाचन तंत्र धीमी गति से कार्य करने लगता है। ऐसे में आपको गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है। ऐसी सब्जियों को रात के वक्त खाने से बचना चाहिए। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी आदि सब्जियां इनमें शामिल है।

डॉर्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन व अन्य उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को केंद्रित रखते हैं। इससे आपकी नींद बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि प्लास्टिक **के बोतल और कंटेनर के इस्तेमाल से कैंसर** हो सकता है। हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर एडवर्ड फुजीमोटो ने प्लास्टिक और **कैंसर पर काफी शोध किया है। उनका** कहना **है कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म** करना **और कार में रखे बोतल का पानी कैंसर** की वजह हो सकते हैं। फुजीमोटो के मुताबिक कार में रखी प्लास्टिक की बोतल जब धूप या **ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है** तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह कैमिकल **डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे** शरीर में पहुंचता है। जानकारों का कहना है कि डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। प्लास्टिक का **ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक है। कई जानकार प्लास्टि**क से **कैंसर होने की बात को गलत ठहराते** हैं। उनका कहना है कि अभी तक इस विषय पर आधिकारिक रिसर्च की कमी है। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्लास्टिक को दोषी ठहराना **गलत होगा। जा**नकारों का कहना है कि अगर खरीदते वक्त ही अच्छी **क्वालिटी का प्लास्टिक लिया** जाए तो कैंसर **का खतरा टाला जा सकता है।** वैसे **जानकारों की सलाह है कि ज**हां तक हो सके **खाने-पीने के लिए स्टील और** कांच के **बर्तनों का ही इस्तेमाल करना चाहिए।** प्लास्टिक **की क्वालिटी को** लेकर सरकार **भी काफी सख्त है। प्लास्टिक** के प्रोडक्ट्स **के लिए बाकायदा दिशा-निर्देश** जारी किए **गए हैं ताकि कंपनियां लोगों** की आंखों में **धूल न झोंक पाएं। फिर भी लो**ग हल्की क्वालिटी **के प्लास्टिक के टिफिन** और बोतल **खरीदकर उन्हें इस्तेमाल करते** हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

ये लोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है.पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है.दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है.इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाऐ लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे.अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा.1830 के आस पास ओरबोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है.ये सारी चट्टानें टीटान,बेरट्थ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं.5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ.यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया.500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी.लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिंचता गया। खिंचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है.इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है.165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा.वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लांगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है.लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं.अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अतः उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके 671 मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है.लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चटटानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं.जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है.जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफुल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए. येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है.लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है कैनियन २० मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें 9000 फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो.इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

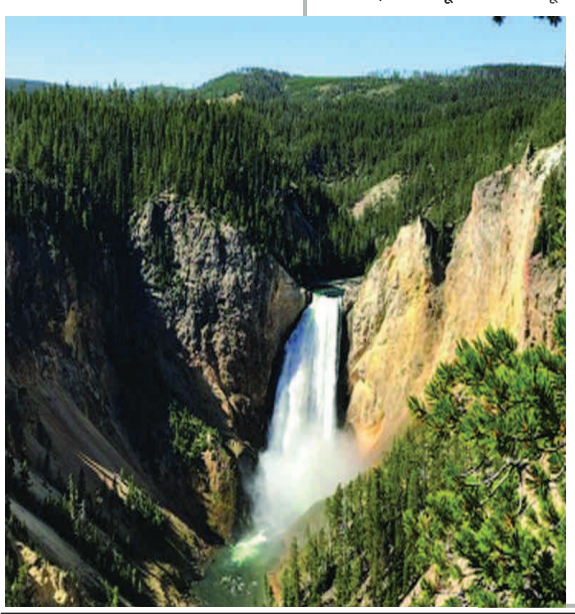

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं : पोर्सलीन - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक केस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन - यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 15 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया है आश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के वावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है.यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से वहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छटा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा.लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था.यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है.इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है.पूरी लकड़ी की संरचना होने के वावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं.1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं.होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटेर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं.दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मगनामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं.नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है.इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं।

तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं.जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है.पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे.अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है.ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है.जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

जल्द ही क्यूआर कोड से कर सकेंगे असली और नकली दवा की पहचान

नई दिल्ली । अब क्यूआर कोड स्कैन से असली और नकली दवाओं की पहचान की जा सकती है। केंद्र सरकार ने 300 नामी दवाओं के ब्रांड पर क्यूआर कोड लगाने का निर्देश जारी कर दिया है। बता दें कि यह नया नियम अगले साल अगस्त 2023 से लागू हो जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने क्यूआर कोड लगाने वाले फैसले को लागू करने के लिए औषधि नियम, 1945 में कुछ जरूरी संशोधन भी किए हैं। इस फैसले का मकसद एनाल्जेसिक, विटामिन, मधुमेह और हायपरटेंशन की कॉमन ड्रग्स की प्रामाणिकता सुनिश्नत करना है। सरकार के इस फैसले से डोलो, सेरिडॉन, कॉरेक्स, एलेग्रा जैसा प्रसिद्ध ब्रांड पर असर पड़ेगा। सरकार ने फार्मा कंपनियों को भी निर्देश जारी कर दिए हैं। जिन 300 दवाओं के फॉर्मूलेशन के पैकेज पर क्यूआर कोड प्रिंट होगा उनका एक बड़ा हिस्सा ज्यादातर काउंटर से खरीदा जाता है। इस नियम के लागू होने से ग्राहकों को आसानी से पता चलेगा कि उनकों बेची जा रही दवा असली है या नकली। बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस साल जून में एक ड्राफ्ट गैजेटेड नोटिफिकेशन जारी किया था और लोगों से इस पर उनकी राय मांगी थी। टिप्पणियों और विचार-विमर्श के आधार पर मंत्रालय इसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

एआईबीईए ने बैंकों की हड़ताल वापस ली

नई दिल्ली । ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन (एआईबीईए) ने शनिवार 19 नवंबर को प्रस्तावित बैंक हड़ताल वापस ले ली है। एआईबीईए की ओर से ये फैसला इंडियन बैंक एसोसिएशन से बातचीत में अधिकांश समस्याओं के समाधान पर सहमति के बाद लिया गया है। इसके बाद देश के सभी हिस्सों में बैंक पहले की तरह ही खुले रहेंगे और लेनदेन भी जारी रहेगा। एआईबीईए के महासचिव सीएच वेंकटचलम ने कहा कि सभी मुद्दों पर सहमति बन गई है। आईबीए और बैंक इस मुद्दे को द्विपक्षीय रूप से हल करने पर सहमत हुए हैं। इस कारण हमने हड़ताल को फिलहाल के लिए टालने का फैसला किया है। बता दें कि 19 नवंबर को महीने के तीसरे शनिवार को होने के कारण देशभर में सभी बैंक खुले रहते हैं। हर महीन के पहले और तीसरे शनिवार को सभी बैंक खुले रहते हैं। एआईबीईए ने हड़ताल पर जाने के पीछे कई कारणों का हवाला दिया था।

जोमेटो के को-फाउंडर मोहित गुप्ता ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन डिलिवरी करने वाली कंपनी जोमैटो को बड़ा झटका लगा है। कंपनी के को-फाउंडर मोहित गुप्ता ने इस्तीफा दे दिया है। हाल के हफ्तों में यह जोमैटो में हुआ यह तीसरा बड़ा इस्तीफा है। जोमैटो के न्यू इनीशिएटिव हेड और पूर्व फूड डिलीवरी राहुल गंजू ने भी इसी हफ्ते कंपनी से इस्तीफा दिया है। इससे पहले कंपनी के इंटरसिटी लीजेंड्स सर्विस के हेड सिद्धार्थ झावर ने कंपनी से इस्तीफा दिया था। मोहित पिछले साढ़े 4 सालों से कंपनी से जुड़े हुए थे। वह साल 2018 में फूड डिलीवरी सेगमेंट के हेड के तौर पर कंपनी के साथ जुड़े थे। बाद में 2021 में उन्हें कंपनी में को-फाउंडर का दर्जा मिल गया और वह इसके नए कारोबार को देखने लगे। वहीं गंजू को फूड डिलीवरी का सीईओ बना दिया गया था। जोमैटो में आने से पहले मोहित गुप्ता ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म मेकमायट्रिप के सीईओ थे। हाल ही में जोमैटो ने हॉटलाइन फोन नंबर लिखे डिलिवरी बैग का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे उसके डिलिवरी पार्टनर्स के खराब ड्राइविंग करने की स्थिति में उन नंबर पर शिकायत की जा सके।

गौतम अडानी ने कहा- वर्ष 2050 तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी

नई दिल्ली:

एशिया के सबसे धनी व्यक्ति गौतम अडानी ने शनिवार को कहा है कि भारत को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 58 साल लगे थे। पर अब हर 12 से 18 महीने में जीडीपी में इतने की बराबर का योगदान बढ़ेगा। उन्होंने कहा है कि भारत 2050 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। 21वें वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ अकाउंटेंट्स के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक के बाद एक आए वैश्विक संकटों ने दुनिया में कई धारणाओं को चुनौती दी है। इनमें चीन को पश्चिमी लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाना चाहिए, धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, यूरोपीय संघ एक साथ रहेगा और रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भूमिका सीमित करने के लिए दबाब बनाया जाएगा जैसी धारणाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस बहुस्तरीय संकट ने महाशक्तियों की एकध्रुवीय या द्विध्रुववीय दुनिया के मिथक को भी तोड़ दिया है। दुनिया के महाशक्तियों के लिए अब किसी मामले में दखल देना और उसका अपने हिसाब से समाधान निकाल लेना जैसी बातें अब कठिन हो गई हैं। अडानी ने कहा, 'इस उभरती हुई बहुध्रुवीय दुनिया में महाशक्तियों को ऐसा होने की आवश्यकता जो एक संकट के समय में कदम बढ़ाकर दूसरों की मदद करने की जिम्मेदारी लें। ऐसे समय में वे राष्ट्र महाशक्ति होंगे जो अन्य राष्ट्रों को अधीनता के लिए ना धमकाएं और मानवता का अपने सबसे प्रमुख संचालन सिद्धांत के रूप में पालन करें।'

एनसीएलएटी ने बीपीटीपी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर रोक लगाई

नयी दिल्ली, राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने बीपीटीपी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर रोक लगा दी है। इससे पहले रियल एस्टेट कंपनी ने न्यायाधिकरण को सूचित किया था कि उसने अपने परिचालन कर्जदाता के साथ विवाद सुलझा लिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने परिचालन ऋणदाता आरबीसीएल प्रोजेक्ट्स की याचिका पर दिल्ली-एनसीआर की रियल एस्टेट कंपनी बीपीटीपी लिमिटेड के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया था। शुक्रवार को एनसीएलएटी की कार्यवाही के दौरान बीपीटीपी के अधिवक्ता ने अपीलीय न्यायाधिकरण को सूचित किया कि दोनों पक्षकारों के बीच 15 नवंबर 2022 को समझौता हो गया है। उन्होंने परिचालन कर्जदाता के साथ संयुक्त आवेदन देने के लिए कुछ वक्त देने का अनुरोध किया। बीपीटीपी के परिचालन कर्जदाता ने भी एनसीएलएटी के समक्ष बयान दिया कि समझौते के तहत उसे धनराशि प्राप्त हो गई है। जिसके बाद न्यायाधिकरण ने मामले पर सुनवाई की अगली तारीख 23 नवंबर तय की।

टाटा मेटा-ट्विटर से निकाले गए कर्मचारियों को नौकरी देगी

नई दिल्ली । ट्विटर और मेटा जैसी बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों में छंटनी का दौर जारी है। इस बीच मेटा और ट्विटर से निकाले गए कर्मचारियों के लिए टाटा मोटर्स अपनी ब्रिटिश सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर ने कहा है कि वो मेटा-ट्विटर से निकाले गए कर्मचारियों को अपने यहां नौकरी देगी। इन कर्मचारियों को डिजिटल और इंजीनियरिंग सर्विस में नौकरी दी जाएगी। जगुआर लैंड रोवर यूके, अमेरिका, आयरलैंड, इंडिया, चीन और हंगरी जैसे देशों में कुल 800 लोगों को नौकरी देगी। कंपनी का कहना है कि वो टेक कंपनियों से निकाले गए कर्मचारियों को ऑटोनोमस ड्राइविंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रिफिकेशन, क्लाउड सॉफ्टवेयर, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग सेक्टर्स के तहत नौकरी देगी। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने लगभग 11,000 कर्मचारियों की छंटनी की है। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में कर्मचारियों को लिखे पत्र में कहा कि कमाई में गिरावट और टेक इंडस्ट्री में जारी संकट के चलते यह फैसला करना पड़ा। छंटनी के बारे में जुकरबर्ग ने था कि दुर्भाग्य से यह मेरी अपेक्षा के अनुरूप नहीं हैं। वहीं केंद्रीय दूरसंचार और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में कहा था कि भारत में आईफोन बनाने के लिए एप्पल का सबसे बड़ा कारखाना बेंगलुरु में होसुर के पास स्थापित किया जा रहा है। इस कारखाने में करीब 60 हजार लोग काम करेंगे।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा: बीते सप्ताह शेयर बाजार में हल्की गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह वैश्विक बाजारों में सुस्त रुख और वाहन, वित्त तथा ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार में हल्की गिरावट दर्ज की गई। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू मोर्चे पर कोई खास हलचल नहीं होने के कारण स्थानीय बाजार अब भविष्य की दिशा के लिए वैश्विक रुझान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। विकसित देशों के बाजारों में नकारात्मक रुझान और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की आक्रामक टिप्पणियों ने दुनिया भर में चल रहे सकरात्मक रुझानों को प्रभावित किया है। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में 131.56 अंक (0.21 प्रतिशत) तथा निफ्टी में 42.05 अंक (0.22 प्रतिशत) की गिरावट रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच बीते सप्ताह सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 92.98 अंक चढ़कर 61,888.02 पर खुला और 170.89 अंक की गिरावट के साथ 61,624.15 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 44.4 अंक की बढ़त के साथ 18,394.10 पर खुला और 20.55 अंक की मामूली गिरावट के साथ 18,329.15 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स कारोबार के शुरुआती दौर में 158.85 अंक चढ़कर 61,783 पर खुला और 248.84 अंक चढ़कर 61,872.99 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 37.10 अंक की गिरावट के साथ 18,292.05 पर खुला और 74.25 अंक की मजबूती के साथ 18,403.40 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 164.36 अंक गिरकर 61,708.63 पर खुला और 107.73 अंक की बढ़त के साथ 61,980.72 पर बंद हुआ। निफ्टी 44.4 अंक गिरकर 18,359 पर खुला और 6.25 अंक की तेजी के साथ 18,409.65 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 211.76 अंक गिरकर 61,768.96 पर खुला और 230.12 अंक टूटकर 61,750.60 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 57.95 अंक गिरकर 18,351.70 पर खुला और 65.75 अंक की गिरावट के साथ 18,343.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 179.28 अंक चढ़कर 61,929.88 पर खुला और 87.12 अंक (0.14 प्रतिशत) टूटकर 61,663.48 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 20.25 अंक की गिरावट के साथ 18,323.65 पर खुला और निफ्टी 36.25 अंक (0.20 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 18,307.65 पर बंद हुआ।

यूनियन बैंक का मल्टीबैगर स्टॉक तीन साल के रिकॉर्ड स्तर पर

- यूनियन बैंक के स्टॉक ने 6 महीने में निवेशकों के डबल किए पैसे

नई दिल्ली ।

सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद से ही यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में शुक्रवार को भी तेजी रही। कल यह मल्टीबैगर स्टॉक बीएसई पर 5.5 फीसदी की उछाल के साथ 74.45 रुपए के भाव पर पहुंच गया और यह इसका 3 साल का रिकॉर्ड स्तर है। इससे पहले जुलाई 2019 में बैंक के शेयर इस स्तर पर कारोबार कर रहे थे। पिछले 6 महीनों में इस शेयर में 108 फीसदी का उछाल आया है। इस तरह यह इस अवधि में निवेशकों के पैसे को डबल कर चुका है। यूनियन बैंक ने पिछले महीने 20 अक्टूबर अपने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए थे। उसके बाद से ही इस शेयर को पंख लगे हुए हैं। एक महीने में ही यह शेयर करीब 60 फीसदी चढ़ चुका है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मार्केट वैल्यू शुक्रवार 18 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपए को पार कर गई। सितंबर तिमाही में यूनियन बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 21.07 फीसदी बढ़कर 1,848 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,526 करोड़ रुपए रहा था। बैंक शुद्ध ब्याज आय सितंबर तिमाही में 21.61 फीसदी बढ़कर 8,305 रुपए हो गई और बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन सितंबर तिमाही में 2.95 फीसदी रहा। बैंक की नॉन-इंटरेस्ट इनकम इस दौरान 17.65 फीसदी गिरकर 3,276 करोड़ रुपए रह गई। यूनियन बैंक का एसेट क्वालिटी सितंबर तिमाही में बेहतर हुआ। बैंक का नेट एनपीए भी सितंबर तिमाही में घटकर 2.64 फीसदी रहा। यूनियन बैंक के नतीजों के बाद अधिकतर विशेषज्ञों ने इस शेयर में तेजी आने की भविष्यवाणी की थी। तिमाही नतीजों के बाद मोतीलाल ओसवाल ने इस शेयर के लिए 65 रुपये का टार्गेट प्राइस के साथ इस स्टॉक को बाय रेटिंग दी थी। अब यह टारगेट पूरा हो गया है। यूनियन बैंक उन शेयरों की लिस्ट में शामिल हो गया है, जिन्होंने पिछले 6 महीनों में अपने निवेशकों के पैसे डबल कर दिए हैं। यूनियन बैंक ने 6 महीनों में निवेशकों को 108 फीसदी का रिटर्न दिया है। एक महीने में यह शेयर 60 फीसदी चढ़ चुका है तो साल, 2022 में अब तक इस शेयर ने 67.38 फीसदी मुनाफा निवेशकों को दिया है। यू नियन बैंक के शेयर शुक्रवार को एनएसई पर 5.20 फीसदी की बढ़त के साथ 73.90 रुपए के भाव पर बंद हुए हैं।

अर्थव्यवस्था मजबूत लेकिन वैश्विक चुनौतियों को लेकर संवेदनशील- आरबीआई लेख

मुंबई ।

सकल मुद्रास्फीति में कमी के संकेत मिलने के साथ ही घरेलू स्तर पर अर्थव्यवस्था में लचीलापन देखने को मिल रहा है, लेकिन यह अभी भी वैश्विक प्रतिकूलताओं के प्रति संवेदनशील है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक लेख में यह बात कही गई। आरबीआई के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित लेख में यह भी कहा गया कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में गिरावट का जोखिम बना हुआ है, वैश्विक वित्तीय स्थितियां सख्त होती जा रही हैं और बाजार की नकदी में कमी वित्तीय कीमतों में उतार-चढ़ाव को बढ़ा रही है। इसमें आगे कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आपूर्ति प्रतिक्रिया मजबूत हो रही है। लेख में कहा गया कि सकल मुद्रास्फीति (हेडलाइन इंफ्लेशन) में कमी के संकेत दिखने के साथ ही घरेलू व्यापक आर्थिक परिदृश्य में मजबूती है लेकिन यह वैश्विक चुनौतियों के प्रति संवेदनशील भी है। लेख के मुताबिक शहरी मांग मजबूत दिखाई दे रही है, जबकि ग्रामीण मांग कमजोर है लेकिन हाल ही में इसमें तेजी आई है। लेख को आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के नेतृत्व में एक टीम ने तैयार किया है। आरबीआई ने कहा कि यह लेखकों की राय पर आधारित है तथा केंद्रीय बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

भारत में चलेंगे हाइड्रोजन फ्यूल से वाहन

-टाटा मोटर्स ने अमेरिकी कंपनी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली ।

आने वाले समय में स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स देश में हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाले वाहन लॉन्च कर सकती है। इसके लिए टाटा कंपनी ने यूएस-लिस्टेड कमिंस इंक से हाथ मिलाया है। अमेरिकी कंपनी कमिंस इंक ने कहा कि उसने भारत में कमर्शियल ऑटोमोबाइल के लिए हाइड्रोजन से चलने वाले आंतरिक दहन इंजन, फ्यूल सेल और बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल सिस्टम डेवलप करने के लिए टाटा मोटर्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। टाटा मोटर्स समेत कई वाहन निर्माता तेजी से पेट्रोल-डीजल का विकल्प तलाश रहे हैं। यह कंपनियां जल्द ही जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने 2070 तक जीरो कार्बन एमिशन का लक्ष्य रखा है। भारत कमिंस के हाइड्रोजन इंजन प्राप्त करने वाले पहले बाजारों में से एक होगा। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक-वाहन निर्माताओं में से एक टाटा ने सितंबर में देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार लॉन्च की है।टाटा मोटर्स ने हाल ही में अपने यात्री वाहनों की कीमतों में 0.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान में अपने वाहनों की कीमत बढ़ाने की घोषणा की थी। वाहनों के मॉडल के आधार पर कीमतों में वृद्धि अलग-अलग की गई है। औसत कीमत वृद्धि 0.9 प्रतिशत हुई है। नई दरें 7 नवंबर से लागू हो गई हैं।टाटा मोटर्स ने कहा कि वह वाहन निर्माण की बढ़ी हुई लागत के बड़े हिस्से का बोझ खुद उठाती रही है, लेकिन इनपुट लागत में तीव्र वृद्धि होने से उसे इसका कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के लिए मजबूर होना पड़ा है। टाटा मोटर्स इस समय टियागो, पंच, नेक्सॉन, हैरियर और सफारी मॉडलों की बिक्री करती है और इन वाहनों के कई इलेक्ट्रिक वेरिएंट भी उपलब्ध हैं। अक्टूबर 2022 में टाटा मोटर्स की कुल बिक्री 15.49 प्रतिशत बढ़कर 78,335 इकाई रही है। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में कुल 67,829 वाहन बेचे थे। बीते महीने टाटा मोटर्स की कुल घरेलू बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 76,537 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 65,151 इकाई थी।

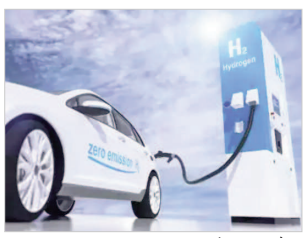

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने देश में 3,500वें बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया

कंपनी को उम्मीद मार्च तक शोरूम की संख्या बढ़कर 3,700 तक होगी

मुंबई ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) को उम्मीद है, कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक उसके बिक्री केंद्र यानी शोरूम की संख्या बढ़कर 3,700 तक पहुंचेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी देकर बताया कि मानेसर संयंत्र की उत्पादन क्षमता में एक लाख इकाई की वृद्धि होने के साथ बढ़ी हुई मांग को तेजी से पूरा किया जा सकेगा। देश में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के बिक्री केंद्र की संख्या शुक्रवार को 3,500 के आंकड़े को पार कर गई। एक दशक पहले मारुति सुजुकी के डीलरशिप की संख्या 1,300 थी। कंपनी ने शुक्रवार को हैदराबाद में अपने 3,500वें बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया, जो नेक्सा की बिक्री इकाई है। एमएसआईएल के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कंपनी की नेटवर्क विस्तार योजनाओं के बारे में बताया, उम्मीद है कि मार्च के अंत तक हमारे 3,700 बिक्री केंद्र हो। उन्होंने कहा कि देश भर में बिक्री के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर कंपनी जोर दे रही है। कंपनी का बिक्री नेटवर्क अब शहरी केंद्रों के साथ ही छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 544 अरब डॉलर के पार

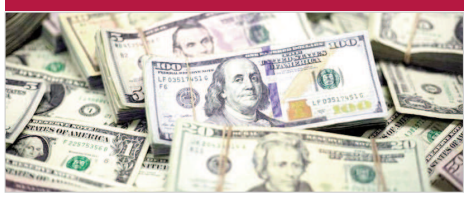

नई दिल्ली ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते 11 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान एक साल से ज्यादा की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार 544 अरब डॉलर के पार चला गया। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 11 नवंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 14.73 अरब डॉलर की वृद्धि रही है। इसके साथ ही अब देश का विदेशी मुद्रा भंडार 544.72 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में अगस्त 2021 के बाद यह सबसे ज्यादा वृद्धि रही है। बीते चार नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 529.99 अरब डॉलर था। 2022 की शुरुआत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 630 अरब डॉलर था। तब से रुपए में गिरावट का माहौल है। इस साल की शुरूआत में विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक स्तर पर था लेकिन इसी साल रुपए के मूल्य में गिरावट भी देखने को मिली। इसी गिरावट को रोकने के लिए रिजर्व बैंक को डॉलर खुले बाजार में बेचना पड़ रहा है। इसका असर दिखा और बीते सितंबर के मध्य के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 80 के स्तर के करीब पहुंचा।

रिजर्व बैंक के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियों में 11.8 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। अब यह 482.53 अरब डॉलर पहुंच गई हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए की सबसे बड़ी हिस्सेदारी होती है। आरबीआई के मुताबिक बीते 11 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के स्वर्ण भंडार में भी बढ़ोतरी हुई। इस सप्ताह यह 2.64 अरब डॉलर बढ़कर 39.70 अरब डॉलर पहुंच गया। दरअसल, विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश के केंद्रीय बैंक में रखी गई धनराशि या अन्य परिसंपत्तियां होती हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वह अपनी देनदारियों का भुगतान कर सकें। विदेशी मुद्रा भंडार को एक या एक से अधिक मुद्राओं में रखा जाता है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

देश के कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शे निवार को गिरावट देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड 2.16 डॉलर लुढ़कर 87.62 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई 1.56 डॉलर गिरकर 80.08 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव हुआ है। राजस्थान में 0.68 रुपए सस्ता होकर पेट्रोल 108.20 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.61 रुपए घटकर होकर 93.47 रुपए पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 0.41 रुपए घटकर 106.21 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.40 रुपए की गिरावट के साथ 92.73 रुपए का हो गया है। उधर झारखंड में पेट्रोल की कीमत 0.55 रुपए घटकर 100.21 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.00 रुपए हो गई है। हिमाचल में पेट्रोल 0.35 रुपए महंगा होकर 95.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.31 रुपए बढ़कर 82.15 रुपए पर पहुंच गया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात व गोवा में ईंधन थोड़ा सस्ता हुआ है। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

बीसीसीआई ने सीनियर पुरुष टीम के चयनकर्ताओं की नियुक्ति के लिए आमंत्रित किए आवेदन

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीनियर पुरुष टीम के लिए चयन समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 5 चयनकर्ताओं की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे हैं। चेतन शर्मा (अध्यक्ष), देवाशीष मोहंती, हरविंदर सिंह और सुनील जोशी की मौजूदा समिति का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और बीसीसीआई ने इस प्रकार उनकी जगहों को भरने के लिए आवेदन मांगें हैं। पांच पदों को भरने के लिए आवेदन 28 नवंबर, 2022 को 18:00 बजे तक जमा किए जा सकते हैं। बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने एक विज्ञप्ति में कहा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) राष्ट्रीय चयनकर्ताओं (सीनियर पुरुष टीम) के पद के लिए आवेदन मांगे हैं। जो उम्मीदवार उक्त पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उन्हें अपने आवेदन पर विचार करने के लिए कुछ मानदंडों को पूरा करना होगा। आवेदकों को कम से कम सात टेस्ट मैच या 40 प्रथम श्रेणी मैच या 10 वनडे और 20 प्रथम श्रेणी मैच खेले होने चाहिए। आवेदक कम से कम पांच साल पहले खेल से संन्यास ले चुका हो। विज्ञप्ति में कहा गया है कोई भी व्यक्ति, जो कुल 5 वर्षों के लिए किसी भी क्रिकेट समिति (बीसीसीआई के नियमों के अनुसार) का सदस्य रहा है, पुरुषों की चयन समिति का सदस्य बनने के लिए पात्र नहीं होगा। वरिष्ठ चयन समिति का वर्तमान में दो साल का कार्यकाल है, जिसे 2006 में 1 वर्ष से बढ़ा दिया गया था, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर एक अतिरिक्त वर्ष का प्रावधान है।

रवि शास्त्री ने कहा, खिलाड़ियों के पास सीखने के बहुत मौके, इसकारण विदेशी लीग की जरुरत नहीं

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर आरोप लगते रहे हैं, कि वह भारतीय खिलाड़ियों को विदेश में होने वाली टी20 लीग में खेलनी की अनुमति नहीं देता, जिससे युवा खिलाड़ियों को देश से बाहर क्रिकेट खेलने का अधिक अनुभव नहीं मिलता है। टी20 वर्ल्ड कप में हार के बाद फिर मसले को लेकर बहस तेज हो गई है। टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री का कहना है कि खिलाड़ियों के पास सीखने के काफी मौके हैं और उन्हें केवल घरेलू क्रिकेट खेलते रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई 'इंडिया ए' टीम के जितने दौरे कराती है, वह सीखने के लिए काफी होते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान का भी कहना है कि भारत में घरेलू क्रिकेट काफी मजबूत है। इसतरह खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा किसी दूसरी लीग में खेलने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, आपके पास घरेलू क्रिकेट का एक मजबूत ढांचा है, फिर खिलाड़ी कहीं और क्यों जाएं? आईपीएल अच्छे खिलाड़ी देने के लिए पर्याप्त है। मौजूदा वक्त में भारत की बेंच स्ट्रेंथ काफी मजबूत है और हम एक साथ तीन टीमें मैदान में उतार सकते हैं। हाल ही में भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी मामले में अपनी राय रखी थी। उनका कहना था, मैं जानता हूं कि बहुत से लोग इस बारे में बात करते हैं। विदेशी टी20 लीग में कोई भारतीय नहीं है, लेकिन हमें बहुत सावधान रहने की जरुरत हैं। हमारे बहुत सारे लड़कों को डोमेस्टिक सीजन के बीच में विदेशी लीग खेलने के लिए कहा जा रहा है। हम देख चुके हैं कि वेस्टइंडीज क्रिकेट के साथ क्या हुआ है, और मैं नहीं चाहूंगा कि भारतीय क्रिकेट भी उसी राह पर चल पड़े। हमारी घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट खत्म हो जाएगी और इसका मतलब होगा कि टेस्ट क्रिकेट समाप्त हो जाएगा।

FIFA 2022

कतर और इक्वाडोर के मैच के साथ शुरू होगा विश्व कप फुटबॉल का महाकुंभ

दोहा : (एजेंसी)

मेजबान कतर और इक्वाडोर के मुकाबले के साथ रविवार को जब विश्व कप फुटबॉल का आगाज होगा तो उम्मीद है कि यहां के मानवाधिकारों, प्रवासी श्रमिकों, एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीर) समुदाय और बीयर (शराब युक्त) जैसे मुद्दे पर यहां के राजशाही के रवैये की आलोचना पीछे छूट जायेंगे। पहले से ही कई तरह की आलोचना का सामना कर रहे कतर ने आलोचकों को उस वक्त एक और मौका दे दिया जब शुक्रवार को स्टेडियमों में शराब युक्त बीयर को दर्शकों के लिए बेचने पर रोक लगा दिया गया। कतर के लिए विश्व कप की मेजबानी वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बढ़ाने और आधुनिकीकरण की ओर बढ़ने के प्रयास में उठाया गया कदम है। यह कतर के लिए राष्ट्रीय गौरव का क्षण है। लेकिन इस प्रतियोगिता में भाग ले रही कतर की टीम को अपनी सबसे बड़ी चुनौती से पार पाना होगा। कतर ग्रुप ए में है जहां इक्वाडोर के अलावा सेनेगल और नीदरलैंड भी शामिल हैं। फुटबॉल विश्व कप के इतिहास में 2010 में दक्षिण अफ्रीका एकमात्र मेजबान देश है जो ग्रुप चरण से आगे निकलने में विफल रहा है। ऐसे में कतर के सामने इस तरह की असफलता से बचने की चुनौती होगी। सेनेगल और नीदरलैंड की टीम काफी मजबूत मानी जाती है ऐसे में कतर के सामने रविवार को इक्वाडोर के खिलाफ जीत दर्ज करने का सर्वश्रेष्ठ मौका होगा। कतर की टीम फीफा रैंकिंग में 50वें स्थान पर है जबकि इक्वाडोर की रैंकिंग 44 है। इस टूर्नामेंट के लिए कतर की टीम पिछले कई साल से तैयारी कर रही है। टीम ने इसके तहत जिसमें 2019 कोपा अमेरिका और 2021 कोनकाकैफ गोल्ड कप में शामिल होना शामिल है। इस दौरान टीम ने 2019 में एशियाई कप को जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया। उस महाद्वीपीय खिताब का श्रेय कोच फेलिक्स सांचेज के दिमाग को दिया गया था, जो 2017 से इस टीम के साथ जुड़े है। वह इससे पहले कतर की अंडर-19 टीम के प्रभारी थे। एशियाई कप की सफलता से हालांकि विश्व के स्मर की तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि यहां खेल अपने शीर्ष स्तर पर होगा। स्पेन के इस कोच ने स्पेनिश खेल समाचार पत्र 'मार्का' से कहा, '' हम टीम को सामान्य रखने की कोशिश करेंगे। हमें पता है कि दबाव होगा, हम खिलाड़ियों पर और अधिक दबाव नहीं बनाना चाहते। हम अपनी दिनचर्या का पालन कर रहे है। हम टीम को लेकर बाहर होने वाली चर्चा से दूर रहने की कोशिश के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ करने पर ध्यान दे रहे है।'' उन्होंने कहा, '' मैदान में 60,000 दर्शकों के सामने प्रदर्शन करना मुश्किल है। यह विश्व कप है और यहां आपसे काफी उम्मीदें होती है।'' इक्वाडोर की टीम हालांकि कतर को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। टीम को विश्व कप क्वालीफिकेशन के दौरान हालांकि एक अयोग्य खिलाड़ी को खिलाने का आरोप लगा। चिली और पेरू ने आरोप लगाया था कि डिफेंडर बायरन कैस्टिलो का संबंध कोलम्बिया से है और वह अवैध रूप से क्वालीफाइंग मैचों में खेले थे। खेल पंचाट (कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट) ने हालांकि उस दावे को खारिज कर दिया था। कैस्टिलो को बाद में कोच गुस्तावो अलफ्रो की कतर के लिए चुनी गयी 26 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। उम्मीद है रविवार को फुटबॉल का महाकुंभ शुरू होने के साथ ही ये सभी विवाद पीछे छूट जायेंगे और चर्चा सिर्फ इस खेल की होगी।

Hockey World Cup: विश्व कप में लक्ष्य पोडियम स्थान हासिल करना ; सुमित

भुवनेश्वर। (एजेंसी)

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मिडफील्डर सुमित ने कहा कि भारतीय पुरूष हॉकी टीम अगले साल जनवरी में होने वाले एफआईएच विश्व कप में पोडियम स्थान हासिल करने के लिये प्रतिबद्ध है क्योंकि पिछले चरण में क्वार्टरफाइनल में बाहर होने की निराशा अभी तक खिलाड़ियों को सालती है। भुवनेश्वर ने 2018 विश्व कप की मेजबानी की थी और भारत को उप विजेता बनी नीदरलैंड से 1-2 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था, लेकिन भारतीय टीम को घरेलू दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करने का फिर मौका मिलेगा। भुवनेश्वर और राउरकेला अगले साल 13 से 29 जनवरी तक संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। सुमित ने हॉकी इंडिया द्वारा शुरू की गयी 'पोडकास्ट सीरीज' 'हॉकी ते चचा' पर कहा, ''मुझे अब भी 2018 हॉकी विश्व कप याद है जब हम क्वार्टरफाइनल में हार गये थे और जब भी मैं भुवनेश्वर जाता हूं तो मुझे उसी हार की याद आ जाती है। एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरूष विश्व कप 2023 में हमारी टीम का लक्ष्य पोडियम पर रहना है।'' उन्होंने कहा, ''हमारा अभ्यास बहुत अच्छा चल रहा है। हमने एफआईएच प्रो लीग के सभी चारों मैचों में अच्छी हॉकी खेली, इसलिये हमारी तैयारियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।'' सुमित ने कहा कि भारत का आगामी आस्ट्रेलियाई दौरा भी विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। भारत इस समय पांचवीं रैंकिंग पर काबिज है और टीम 26 नवंबर से चार दिसंबर के बीच पांच मैचों की श्रृंखला में दुनिया की नंबर एक आस्ट्रेलियाई टीम से भिड़ेगी। दौरे का दूसरा, तीसरा और चौथा मैच क्रमशः 27, 30 और तीन दिसंबर को खेला जायेगा। सुमित ने कहा, ''एआईएच विश्व कप से पहले आस्ट्रेलियाई दौरा काफी महत्वपूर्ण है। आस्ट्रेलिया काफी मजबूत टीम है, हमें उनसे अच्छी प्रतिस्पर्धा मिलेगी और बड़े टूर्नामेंट से पहले इतनी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमारे लिये आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।'' तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य सुमित भली भांति जानते हैं कि विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिये को उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा मिलेगी। उन्होंने कहा, ''अगर मैं अच्छा खेला तो कोई भी मुझे विश्व कप के लिये भारतीय टीम में जाने से नहीं रोक सकता।'' सुमित ने कहा,स्न''मैं हमेशा मैदान पर जाकर अपना शत प्रतिशत देने के बारे में सोचता हूं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 72 रन से मात देकर सीरीज में बनाई अजय बढ़त

(एजेंसी)

शनिवार को ऑस्ट्रेलिया टीम ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 72 रन से मात दी है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की इस वनडे सीरीज में 2-0 से अजय बढ़त बना ली है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट के नुकसान पर 280 का स्कोर बोर्ड पर खड़ा किया। बल्लेबाजी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के दोनों सलामी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर 16 रन, जबकि उनके साथी ट्रेविस हेड 19 रन बनाकर आउट हुए। शुरूआती झटकों के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम को स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुछेन ने संभाला। स्मिथ ने 114 गेंदों में 94 रन की पारी खेली, वहीं लाबुछेन ने 55 गेंदों में 58 रनों बनाए। इन दोनों के अलावा मिशेल मार्श ने भी अर्धशतकीय पारी खेली, उन्होंने 59 गेंदों में 50 रन की पारी खेली। इन तीनों बल्लेबाजों के अलावा ऑस्ट्रेलिया का और कोई भी बल्लेबाजी प्रभावित नहीं कर पाया, विकेटकीपर एलेक्स कैरी बिना खाता खोले प्वेलियन लौट गए और मार्कस स्टोनिस 13 रन की पारी खेलकर चलते बने। इंग्लैंड की टीम की ओर ने आदिल राशिद सर्वश्रेष्ठ 3 विकेटें चटकाई। क्रिस वोक्स और डेविड विले ने 2-2 विकेटें चटकाई, वहीं कप्तान मोईन अली 1 विकेट चटकाने में सफल रहे। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 38.5 ओवरों में 208 रनों के स्कोर पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से जेम्स विंस ने 72 गेंदों पर 60, जबकि सैम बिल्गिंस ने 80 गेंदों पर 71 रनों की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा इंग्लैंड टीम के अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन साधारण रहा। जेसन रॉय और डेविड मलान बिना खाता खोले वापस लौट गए, वहीं फ्लिप सॉल्ट 23, मोईन अली 10 और क्रिस वोक्स 7 बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जाम्पा और मिचल स्टार्क ने 4-4 विकेट चटकाए, वहीं जॉश हेजलवुड ने 2 विकेटें प्राप्त की।

टेनिस बॉल विश्वकप के ब्रांड दूत बने ड्वेन ब्रावो

मुंबई ।

वेस्टइंडीज और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को 18 से 25 दिसंबर के बीच ठाणे में होने वाले टेनिस बॉल क्रिकेट विश्वकप 10 पीएल का ब्रांड दूत नियुक्त किया गया है। ब्रावो दुबई में सात दिसंबर को एक भव्य समारोह में टूर्नामेंट की ट्रॉफी और जर्सी का अनावरण करेंगे। टेनिस बॉल विश्वकप के पहले दो टूर्नामेंट में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम और भारत के विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ब्रांड दूत थे। इस वर्ष प्रतियोगिता में भारत, मध्य पूर्व और श्रीलंका की कुल 20 टीमें भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट आठ दिन तक चलेगा जिसमें कुल 51 मैच खेले जाएंगे।

PKL9 : गुजरात जाएंट्स को हराकर फिर से टेबल टॉपर बने बेंगलुरू बुल्स

हैदराबाद। (एजेंसी)

भरत हुड्डा (18 अंक) ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस सीजन के सबसे चमकदार खिलाड़ी क्यों हैं। भरत के एक और चमकदार प्रदर्शन की बदौलत बेंगलुरू बुल्स ने गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के नौवें सीजन के 86वें मैच में गुजरात जाएंट्स को 45-38 के अंतर से हराकर फिर से टेबल टॉपर बनने का गौरव हासिल कर लिया है। भरत ने अपनी टीम को सीजन की 10वीं जीत दिलाई। भरत के अलावा कोई और खिलाड़ी दहाई तक नहीं पहुंच सका। गुजरात के लिए हालांकि प्रतीक दहिया (10) और कप्तान चंद्रन रंजीत (12) ने सुपर-10 लगाए लेकिन उनका प्रयास टीम की हार का सिलसिला तोड़ने में नाकाम रहा। दूसरे मिनट मे बुल्स 2-1 से आगे थे। फिर भरत ने अपनी पहले ही प्रयास में सुपर रेड के साथ उसे 5-1 से आगे कर दिया। गुजरात पर ऑलआउट का खतरा था। विकास की रेड पर सौरव सेल्फ आउट हुए और टैकल के लिए गए। इस तरह गुजरात तीन मिनट में ही ऑल आउट होकर 2-9 से पीछे हो गई। आलइन के बाद गुजरात ने लगातार दो अंक लिए। दो मैचों से नदारद रहने के बाद दूसरी रेड पर आए प्रतीक ने दो अंक की रेड के साथ स्कोर 6-10 कर दिया और फिर डिफेंस ने भरत को लपक वापसी के संकेत दिए। फिर गुजरात ने बुल्स को ऑल आउट देकर 11-10 की लीड ले ली। भरत ने प्रतीक को रनिंग हैंड टच पर आउट कर बुल्स को जल्द ही 15-12 की लीड दिला दी। अब गुजरात पर दूसरी बार ऑल आउट का खतरा था और इसे अंजाम देकर बुल्स ने 20-14 की लीड ले ली। प्रतीक, रंजीत और राकेश चल नहीं पा रहे थे। इसी कारण बुल्स को 22-15 की लीड मिली हुई थी। रंजीत ने हालांकि पंख फैलाने शुरू किए और तीन रेड में तीन अंक लिए। अगली रेड पर वह बोनस लेने के बाद लपक लिए गए। फिर प्रतीक ने दो अंकों की रेड के साथ लीड 5 की कर दी। भरत ने बोनस के साथ सुपर-10 पूरा किया लेकिन मनुज ने उनका शिकार कर लिया। बुल्स हाफ टाइम तक 26-22 से आगे थे। इसी बीच, चोटिल राकेश ले जाए गए। गुजरात के लिए यह अच्छी खबर नहीं थी। ब्रेक के बाद का पहला अंक गुजरात के नाम रहा। फिर बुल्स ने प्रतीक का शिकार कर अपना भी खाता खोला। रंजीत ने अहम मुकाम पर सुपर रेड के साथ न सिर्फ ऑल आउट बचाया बल्कि सुपर-10 भी पूरा किया। स्कोर 28-32 था। ऐसा लग रहा था कि गुजरात जल्द ही बराबरी कर ली लेकिन भरत ने सुपर रेड के साथ अपनी टीम को 7 अंक की लीड दिला दी और फिर बुल्स ने गुजरात को एक बार फिर ऑल आउट कर 9 अंक की लीड ले ली। प्रतीक ने जल्द ही अपना लगातार चौथा सुपर-10 पूरा किया। बुल्स अब 6 अंक से आगे थे। अगली रेड पर नीरज ने प्रतीक का शिकार कर लिया। गुजरात ने हालांकि डू ओर डाई पर भरत को लपक हिसाब बराबर किया। स्कोर डिफरेंस सात का था और फिर डू ओर डाई पर चंद्रन को लपक बुल्स ने लीड 8 की कर ली। फिर बुल्स ने इस अंतर को 10 तक पहुंचा दिया लेकिन अरकम शेख ने दो अंक लेकर अंतर को 8 कर दिया। रंजीत मैच की अपनी अंतिम रेड पर गए और अंक लेकर लौटे। फासला 7 का हो गया था और मैच से गुजरात को एक अंक मिलता दिख रहा था। फिर भरत की रेड पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला।

खिलाड़ी उम्र में युवा हो, लेकिन अनुभव की किसी के पास कोई कमी नहीं : हार्दिक पंड्या

वेलिंग्टन ।

भारतीय टी20 टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे का मकसद नए खिलाड़ियों की भूमिका में स्पष्टता और उन्हें मौका प्रदान करना है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की जगह हार्दिक 3 मैचों की टी20 सीरीज में टीम की अगुआई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम पिछले नतीजों के बारे में सोचने में भरोसा नहीं करती। बारिश के कारण शुक्रवार को खेला जाने वाला पहला मैच भारत-न्यूजीलैंड रद्द हो गया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 20 नवंबर को खेला जाएगा। पंड्या ने कहा, 'ये खिलाड़ी भले ही उम्र से युवा हों, लेकिन अनुभव के मामले में नहीं हैं। ये काफी आईपीएल खेल चुके हैं और काफी इंटरनेशनल मैच भी खेल चुके हैं। मुझे लगता है कि आज के युवा ज्यादा क्रिकेट नहीं खेलने से घबराते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर हालात की मांग होती है, तब मैं और काफी अनुभवी खिलाड़ी विभिन्न भूमिकाएं निभाएंगे, लेकिन यह दौरा नए खिलाड़ियों के लिए और अधिक स्पष्टता, मौके और खुद को अभिव्यक्त करने का मौका देने के लिए है। पंड्या ने कहा कि वर्ल्ड कप हो चुका है, मैंने इस पीछे छोड़ दिया है, निराशा रहेगी, लेकिन हम पीछे जाकर चीजें नहीं बदल सकते। हम अब आगे के बारे में और सीरीज के बारे में सोच रहे हैं। 3 मैचों की टी20 सीरीज के बाद इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन ने कहा कि मौजूदा सीरीज एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मंच है, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मौका नहीं मिला, जिसमें न्यूजीलैंड और भारत दोनों ही टीमें सेमीफाइनल चरण में बाहर हो गई थीं। विलिम्सन ने कहा कि यह बेहतर होने की बात है, विशेषकर नॉकआउट मैचों में। एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप टीम में भी थे, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। इसलिए यह उन्हें कुछ मैच का समय देने का अच्छा समय है। दोनों टीमें फाइनल तक पहुंचना चाहती थीं, लेकिन हमें इस सीरीज के लिए तैयार होने के लिए एक हफ्ते का आराम मिला।

ब्रेट ली के टी20 वर्ल्ड कप के बेस्ट 11 खिलाड़ियों की सूची में भारत के 4 खिलाड़ी

नई दिल्ली । टी20 वर्ल्ड कप 2022 का समापन हो चुका है। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आठवां खिताब इंग्लैंड के खाते में गया है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान इंग्लिश खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा है। ऑस्ट्रेलियाई पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने अपने टी-20 वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन में 4 इंग्लिश खिलाड़ियों को शामिल किया है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के हाथ शिकस्त खाने वाली भारतीय टीम के भी 4 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया है। इन दोनों देशों के खिलाड़ियों के अलावा उन्होंने पाकिस्तान के दो और न्यूजीलैंड के एक खिलाड़ी को टीम में जगह दी है। ब्रेट ली ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर बातचीत करते हुए प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर सलामी बल्लेबाज के तौर पर इंग्लिश सलामी जोड़ी जोस बटलर और एलेक्स हेल्स को चुना है। वहीं तीसरे और चौथे स्थान पर उन्होंने भारतीय अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को जगह दी है। पांचवें स्थान पर ग्लेन फिलिप्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने टी20 वर्ल्ड कप में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा था। ऑस्ट्रेलियाई पूर्व क्रिकेटर ने अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन ऑलराउंडर खिलाड़ियों को शामिल किया है। इसमें दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। वहीं एक स्पिन ऑलराउंडर। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर में उन्होंने भारत के हार्दिक पंड्या और इंग्लैंड के सैम करन का चुनाव किया है।

PKL9

मनिंदर सिंह की सुपर 10 ने बंगाल वारियर्स को तेलुगु टाइटन्स पर बड़ी जीत दिलाई

हैदराबाद : (एजेंसी)

ऐसी उम्मीद थी कि तेलुगू टाइटंस अपने घर आकर हार के सिलसिले को तोड़ देंगे लेकिन बंगाल वॉरियर्स ने ऐसा होना नहीं दिया और 36-28 के अंतर की जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गए। गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के नौवें सीजन के 85वें मैच में मेजबान टाइटंस को सीजन की 14वीं हार मिली जबकि बंगाल ने सातवीं जीत दर्ज की। बंगाल के लिए मनिंदर सिंह (12) ने एक बार फिर अपनी चमक दिखाई और सीजन का नौवां सुपर-10 लगाया। टाइटंस के लिए अभिषेक सिंह ने 9 अंक लिए जबकि पांच बार आउट होने के बावजूद सिद्धार्थ देसाई 8 अंक लेने में सफल रहे। टाइटंस ने 3-0 की लीड के साथ अच्छी शुरुआत की लेकिन मनिंदर ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर बंगाल का खाता खोल दिया। मनिंदर यही नहीं रुके और अगली दो रेड पर तीन अंक लेकर स्कोर 5-4 कर दिया। अगली बारी दीपक की थी। एक कवर को बाहर उन्होंने पांचवें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद लगातार दो अंक के साथ टाइटंस ने लीड 2 की कर ली। मनिंदर द्वारा परवेश को आउट करने क साथ बंगाल ने हालांकि शानदार वापसी करते हुए 9-8 की लीड ले ली। अभिषेक ने हालांकि दो अंक लेकर टाइटंस को एक अंक की लीड दिला दी। फिर मनिंदर का शिकार कर लीड 2 की कर दी। जाधव ने डिफेंस में अंक लेने के बाद रेड में भी दो अंक लिए और बंगाल को 12-11 से आगे कर दिया। टाइटंस ने फिर स्कोर 12-12 कर दिया। इसके बाद स्कोर 13-13 हुआ और फिर डू ओर डाई रेड पर दीपक ने अंक लेकर बंगाल को 14-13 से आगे कर दिया। इसी स्कोर पर पहला हाफ समाप्त हुआ। ब्रेक के बाद मनिंदर ने दो अंक की रेड के साथ टाइटंस को ऑल आउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर 20-13 की लीड ले ली। आलइन के बाद बंगाल के डिफेंस ने देसाई को बाहर कर बड़ी सफलता हासिल की। बंगाल का डिफेंस देसाई पर लगातार हावी था लेकिन इन सबके बीच टाइटंस वापसी की राह पर थे। 10 मिनट बचे थे। बंगाल 25-18 से आगे थे लेकिन टाइटंस के डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर दीपक को लपक फासला 6 कर दिया। जाधव ने हालांकि डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर टाइटंस को ऑल आउट की ओर भी धकेला। फिर मनिंदर ने इस सीजन का नौवां सुपर-10 पूरा किया। अभिषेक ने दो अंक की रेड के साथ ऑलआउट टाला। मनिंदर सुपर टैकल की स्थिति में गए और टाइटंस को ऑल आउट कर अपनी टीम को 33-22 से आगे कर दिया। आलइन के बाद एक बार फिर बंगाल के डिफेंस ने देसाई का शिकार कर लिया। पांचवीं बार उनका शिकार हुआ और वह 37 मिनट के खेल में लगभग 17 मिनट से मैट से बाहर रहे हैं। बहरहाल, तीन मिनट बचे थे और बंगाल को 12 अंक की लीड मिली हुई थी। दीपक की डू ओर डाई रेड पर परवेश तीसरी बार लाइन आउट हुए। अब दो मिनट बचे थे और बंगाल 13 अंक से आगे थे। यहां से बंगाल की जीत तय थी। अंततः उसने सातवीं जीत के साथ अंक तालिका में दो स्थान की छलांग लगाई।

भाजपा कोई मुद्दा नहीं मिला तो मेधा पाटकर को गुजरात चुनाव से जोड़ रही है : रघु शर्मा

अहमदाबाद।

गुजरात चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। गुजरात चुनाव जीतने के लिए भाजपा, कांग्रेस और आप समेत राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। चुनाव प्रचार के लिए राहुल गांधी अब तक गुजरात नहीं आए, लेकिन उनकी भारत जोड़ो यात्रा चर्चा में आ गई है।

बीते दिन सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुई थीं। भाजपा ने गुजरात चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। कल से भाजपा नेता मेधा पाटकर के भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने को लेकर लगातार कांग्रेस पर प्रहार कर रहे हैं। आज गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा ने भाजपा पर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह गुजरात चुनाव में मेधा पाटकर को घसीट रही है। गुजरात चुनाव में कांग्रेस उसे कोई मौका नहीं दे रही है, जिसकी वजह से भाजपा बेचैन और बौखला गई है। मेधा पाटकर के सवाल पर रघु शर्मा ने कहा कि हम गुजरात चुनाव लड़ रहे हैं और अगर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में कोई शामिल होता है तो उसे हम रोक नहीं सकते। मेधा पाटकर का भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का गुजरात चुनाव से क्या मतलब है?

भाजपा को चाहिए कि वह महंगाई, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दे पर जनता को जवाब देना चाहिए। गुजरात चुनाव में आप की एन्ट्री को रघु शर्मा ने आप को भाजपा की बी टीम बताया। गौरतलब है कि भारत जोड़ो यात्रा में मेधा पाटकर के शामिल होने के बाद कांग्रेस पर भाजपा लगातार हमलावर है।

बीते दिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजकोट में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि गुजरात और नर्मदा विरोधियों को साथ देनेवाली मेधा पाटकर का साथ देकर कांग्रेस ने अपनी गुजरात विरोधी मानसिकता जाहिर कर दी।

तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे पीएम मोदी ने वलसाड में किया रोड शो

अहमदाबाद।

गुजरात चुनाव की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर आज शाम वलसाड पहुंचे। वलसाड में वापी-दमण रोड पर पीएम मोदी ने रोड शो किया। मोदी के रोड शो में सड़क के दोनों ओर लोगों को जनसैलाब उमड़ पड़ा। रोड शो के दौरान कई आदिवासी लोक नृत्य के साथ वृंदगान करते लोग दिखाई दिए। रोड शो के बाद पीएम मोदी वापी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और रात्रि विश्राम वलसाड में ही करेंगे। रविवार 20 नवंबर की सुबह पीएम मोदी भगवान सोमनाथ के मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और सुबह 11 बजे वेरावल में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 12.45 बजे पीएम मोदी राजकोट जिले के धोराजी में, दोपहर 2.30 बजे अमरेली में और शाम 6.15 बजे बोटाद में जनसभा करेंगे। जिसके पश्चात पीएम मोदी गांधीनगर जाएंगे और राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। पीएम मोदी 21 नवंबर को दोपहर 12 बजे सुरेन्द्रनगर में, दोपहर में 2 बजे जंबुसर और 4 बजे नवसारी में चुनावी रैली करेंगे। 22 नवंबर को एक दिन के विराम के बाद पीएम मोदी 23 नवंबर को मेहसाणा, दाहोद, वडोदरा और भावनगर में जनसभा को संबोधित करेंगे। 24 नवंबर को बनालकांठा के पालनपुर, गांधीनगर के दहेगाम, खेडा के मातर के अलावा अहमदाबाद में पीएम मोदी विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

गुजरात में फिर बनेगी प्रचंड बहुमत से भाजपा सरकार, तीसरी पार्टी है नहीं : नरेन्द्रसिंह तोमर

भावनगर।

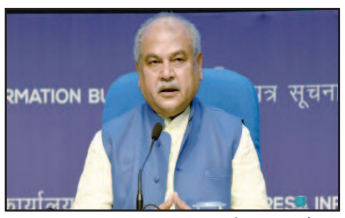

गुजरात चुनाव को लेकर राज्य में राजनीतिक दलों का प्रचार अभियान तेज हो गया है। भावनगर पूर्व सीट से भाजपा प्रत्याशी सेजल पंड्या का प्रचार करने के भावनगर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्रसिंह तोमर ने कांग्रेस और आप कड़े प्रहार किए और विश्वाय व्यक्त कि गुजरात में फिर एक बार प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनेगी। भावनगर के घोघा सर्कल पर आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात में तीसरी कोई पार्टी है ही नहीं। झूठ फैलाने वाले गिरोह पर गुजरात की जनता कभी विश्वास नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के जरिए कांग्रेस का अस्तित्व बचाने का प्रयास कर रहे हैं। गुजरात का गौरव और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात समेत देश का भरपूर विकास किया है। गुजरात में पेयजल की समस्या का निपटारा कर दिया है, 24 घंटे बिजली आपूर्ति, सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, रोजगार और राज्य में विदेशी निवेश के जरिए गुजरात को भरपुर विकास किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घ दृष्टि के कारण आज भारत का नाम दुनिया में गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना के कठिन दौर में देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज, मुफ्त टीकाकरण समेत अनेक जनसुखाकारी योजनाओं के जरिए आज मोदी लोगों के दिल में राज कर रहे हैं। ऐसे में गुजरात के लोग फिर एक बार भाजपा को भरपूर समर्थन करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गुजरात में भाजपा फिर एक बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

गुजरात चुनाव में मेधा पाटकर एन्ट्री, भाजपा ने राहुल और कांग्रेस को बताया विकास विरोधी

अहमदाबाद।

गुजरात चुनाव की राजनीति में अब मेधा पाटकर भी एन्ट्री हो गई है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में समाज सेविका मेधा पाटकर के शामिल होने से भाजपा भड़क गई है और कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वह विकास विरोधी है। शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत भाजपा नेताओं ने कांग्रेस और मेधा पाटकर पर कड़े प्रहार किए थे। आज गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मेधा पाटकर गुजरात विरोधी बताया और कहा कि उन्होंने नर्मदा योजना का विरोध कर गुजरातियों को प्यासा रखने का काम किया है। चुनाव में गुजरात की जनता कांग्रेस और गुजरात विरोधियों को सबक सिखाएगी। रूपाणी ने कहा कि मेधा पाटकर वह व्यक्ति हैं जिन्होंने नर्मदा योजना को पूर्ण होने में लगातार अवरोध पैदा कर गुजरात का विकास नहीं होने दिया। अब मेधा पाटकर का भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होना साबित करता है कि कांग्रेस विकास विरोधी है, जो उसका सही चेहरा। गौरतलब है केरल से प्रारंभ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में मेधा पाटकर भी शामिल हुई थीं। राहुल और मेधा पाटकर की तस्वीरें वायरल होने के बाद गुजरात चुनाव में भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील समेत भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिएहैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को गुजरातियों से दुश्मनी है। जो अर्बन नक्सलियों के साथ भारत यात्रा कर रहे हैं। अर्बन नक्सली कभी भी गुजरात को साथ नहीं देंगे। गुजरात विरोधियों को राहुल गांधी महत्व देते हैं, जो गुजराती कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। सीआर पाटील ने ट्वीट कर कहा कि अर्बन नक्सली मेधा पाटकर ने नर्मदा योजना का विरोध कर कच्छ समेत पूरे गुजरात के विकास में अवरोध पैदा किए। आज कांग्रेस गुजरात के विकास विरोधी अर्बन नक्सलियों के साथ भारत तोड़ो यात्रा कर रही है। गुजरात के विकास विरोधी अर्बन नक्सलियों का साथ लेने वाली कांग्रेस को कभी भी राज्य की जनता साथ नहीं देगी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा योजना का विरोध करने वालों के साथ चलने वालों को गुजरात की जनता कैसा बर्दाश्त करेगी।

21 नवंबर को राहुल गांधी आएंगे गुजरात, राजकोट और सूरत में करेंगे जनसभा

अहमदाबाद।

गुजरात में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे। जिसमें पहले चरण में 1 दिसंबर को और दूसरे चरण के लिए 5 दिसंबर को वोटिंग होगी। गुजरात चुनाव जीतने के लिए भाजपा, कांग्रेस और आप समेत सभी राजनीतिक दल पूरी ताकत लगा रहे हैं। भाजपा ने स्टार प्रचारक नेताओं की फौज उतार दी है, जो राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रैलियां, रोड शो समेत डोर टू डोर कैंपेन कर रहे हैं। भाजपा और आप चुनावी रैलियां कर रहे हैं। अब कांग्रेस ने भी प्रचार अभियान तेज कर दिया है। हिमाचल चुनाव के बाद अब कांग्रेस नेताओं का फोकस गुजरात पर हैं। आगामी 21 नवंबर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से विराम लेकर गुजरात आकर पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। बता दें कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रचार में शामिल नहीं होने पर राहुल गांधी को भाजपा की आलोचना का सामना करना पड़ा था। हिमाचल प्रदेश चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को प्रचार करने राज्य में भेजने की मांग की थी। लेकिन हिमाचल प्रदेश जाने के बजाए राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त रहे। हिमाचल चुनाव पूर्ण होने के बाद अब कांग्रेस ने गुजरात चुनाव पर ध्यान केन्द्रित किया है। 21 नवंबर को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से समय निकालकर गुजरात आएंगे और दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी 21 नवंबर को दोपहर 1 बजे सूरत में और दोपहर 3 बजे राजकोट में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। राजकोट के शास्त्री मैदान में राहुल गांधी सभा करेंगे, जिसका असर चार विधानसभा सीटों पर होगा। जिसमें राजकोट पूर्व, राजकोट पश्चिम, राजकोट दक्षिण और राजकोट ग्रामीण सीट शामिल है।

राहुल गांधी की चुनावी रैली की तैयारियों को लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर राजकोट पहुंच गए हैं और स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं।

आप के सूरत शहर उप प्रमुख का आरोप, पार्टी ने रुपए लेकर टिकट बेचे

सूरत।

गुजरात चुनाव के आडे गिनती के दिन शेष रह गए हैं और भाजपा, कांग्रेस व आप समेत अन्य राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। ऐसे में आप की सूरत इकाई में फिर बार बगावत की चिंगारी भड़क उठी है। सूरत शहर आप के उप प्रमुख राजु दियोरा ने पार्टी पर रुपए लेकर टिकट बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। साथ ही कहा है कि वह चुनाव में आप उम्मीदवारों को हराने का पूरा प्रयास करेंगे। गुजरात में अब भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होता था, लेकिन आप के मैदान में उतरने से अबकी बार त्रिकोणीय मुकाबला होना तय है। नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया खत्म होने के बाद सभी राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान पर अपनी ताकत झोंक दी है। दूसरी ओर टिकट बंटवारे को लेकर विभिन्न पार्टी कार्यकर्ताओं में भड़का आक्रोश अब भी थमने का नाम ले रहा है। गुजरात चुनाव जीतने के लक्ष्य के साथ पूरे दमखम के साथ उतरी आप को झटके पे झटके लग रहे हैं। पहले सौराष्ट्र आप के दिग्गज नेता इंद्रनीला राज्यगुरु ने पार्टी छोड़ कांग्रेस में घर वापसी कर ली। जिसके बाद हाल ही में आप उम्मीदवार कंचन जरीवाला ने अपना नाम वापस ले लिया था और उसके आप के डमी प्रत्याशी भी मैदान से हट गया था। जिसे लेकर आप ने उसके उम्मीदवार पर दबाव बनाने और अपहरण करने का भाजपा पर आरोप लगाया था। इतना ही नहीं दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग कार्यालय पर धरना भी दिया था। लेकिन अब सूरत शहर के आप प्रमुख राजु दियोरा ने अपनी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाया है। सूरत की कतारगाम सीट से टिकट ना मिलने से नाराज राजु दियोरा आरोप लगाया है कि आप ने रुपए लेकर टिकट बेचे हैं। उन्होंने कहा कि मैं काफी समय से आप के लिए काम करता हूं, इसके बावजूद रुपए लेकर आयाती उम्मीदवार को पार्टी ने टिकट दिया है। राजु ने कहा कि वह कतारगाम क्षेत्र में नाराज कार्यकर्ताओं के साथ समर्थन करेंगे और किस पार्टी को समर्थन देना इस पर फैसला करेंगे और गुजरात चुनाव में आप जीते नहीं इसका पूरा प्रयास करेंगे।

द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल ने उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत द्वारा आयोजित स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में प्रथम रैंक जीता

सूरत – "स्वच्छता सफलता का पहला मार्ग है" गांधीजी के उद्धारण को द रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल, सूरत, गुजरात ने उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत द्वारा आयोजित स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में अखिल भारत में – प्रथम रैंक जीता। जिसमें भारत के कुल 15,00,000 सरकारी और निजी स्कूलों का मूल्यांकन किया गया।

मूल्यांकन यूनिसेफ और निर्वाण संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें कुल -6 श्रेणियां निर्धारित की गई थीं जिसमें रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल 100% मूल्यांकन के साथ पहले स्थान पर रहा और सभी श्रेणियों में 100% स्कोर किया।

यह पुरस्कार आकाशवाणी रंग भवन, दिल्ली संसद मार्ग, दिल्ली में आयोजित किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष सरकार (शिक्षा मंत्रालय) और डॉ राजकुमार रंजन सिंह (शिक्षा मंत्रालय) द्वारा स्कूल को "स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार" प्रदान किया गया। इस पुरस्कार को प्राप्त करने के बाद स्कूल को गुजरात शिक्षा विभाग के एसपीडी डिवीजन और एचओडी द्वारा सम्मानित किया गया। गुजरात के कुल 11,958 स्कूलों में द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, सूरत की इस उपलब्धि ने सरकारी और निजी स्कूलों के लिए एक प्रेरक उदाहरण पेश किया है।

वाघोडिया में निर्दलीय उम्मीदवार महेन्द्रसिंह के समर्थन में 250 कार्यकर्ताओं ने छोड़ी भाजपा

वडोदरा।

एक और भाजपा के स्टार प्रचारक एक एक वोट के लिए काफी मशक्कत कर रहे हैं, दूसरी ओर नाराज कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे हैं। चुनाव से पहले वडोदरा में भाजपा को एक और झटका लगा है। पहले वाघोडिया से विधायक मधु श्रीवास्तव ने टिकट ना मिलने से निर्दलीय उम्मीदवारी दर्ज कराई। अब एक और निर्दलीय उम्मीदवार महेन्द्रसिंह वाघेला के समर्थन में 250 जितने कार्यकर्ताओं ने भाजपा छोड़ दी। चुनाव से पहले वडोदरा की वाघोडिया तहसील के 250 जितने पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा छोड़ निर्दलीय विधायक महेन्द्रसिंह वाघेला के समर्थन का ऐलान किया है। भाजपा छोड़ने वालों में वाघोडिया तहसील भाजपा के महामंत्री, महिला मोर्चा की प्रमुख समेत पदाधिकारियों ने धर्मेन्द्रसिंह वाघेला का समर्थन किया है।

बता दें कि वर्ष 2017 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी मधु श्रीवास्तव ने महेन्द्रसिंह वाघेला को करीब 10 हजार वोटों के अंतर से शिकस्त दी थी। ढाई सौ कार्यकर्ताओं के पार्टी से छोड़ने से भाजपा उम्मीदवार अश्विन पटेल और निर्दलीय प्रत्याशी मधु श्रीवास्तव है। मधु श्रीवास्तव के इस को नुकसान हो सकता है। जबकि निर्दलीय उम्मीदवार महेन्द्रसिंह वाघेला और मजबूत होंगे। मधु श्रीवास्तव के गोली मार देने के बयान को लेकर महेन्द्रसिंह वाघेला ने कहा कि जन प्रतिनिधि का ऐसा बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। मधु श्रीवास्तव के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। चुनाव आयोग को मधु श्रीवास्तव के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाघोडिया की जनता निडर है और वह ऐसे बयानों से डरने वाली नहीं है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)